RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6, अंकः179, सोमवार, 07 जुलाई 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8

9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

डॉ.एसकेएस महिला महाविद्यालय में एकदिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन 03

मुहर्रम पर्व शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न, सुरक्षा व्यवस्था रही चाक-चौबंद 04

ब्लैक साड़ी में वामिका गब्बी ने बिखेरा हुस्न का जलवा, सोशल मीडिया पर... 07

प्रधानमंत्री मोदी पहुंचे ब्राजील, ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे

एजेंसी, रियो डी जेनेरियो

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चार दिनों की यात्रा पर ब्राजील पहुंचे हैं। इस दौरान वे 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे।यह प्रधानमंत्री मोदी की पांच देशों की यात्रा का चौथा चरण है। उनकी इस यात्रा को लेकर प्रवासी भारतीयों में खासा उत्साह देखा गया। जिन्होंने गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए प्रधानमंत्री मोदी प्रधानमंत्री शनिवार शाम (स्थानीय समय के अनुसार) रियो डी जेनेरियो के गैलेओ इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचे जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला दा सिल्वा के निमंत्रण पर ब्राजील पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी रियो डी जेनेरियो में 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे, उसके बाद राजकीय यात्रा पर जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर कहा कि ब्राजील के रियो डी जेनेरियो पहुंचा, जहां मैं ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लूंगा और बाद में राष्ट्रपति लूला के निमंत्रण पर राजधानी ब्रासीलिया जाऊंगा। इन बैठकों और बातचीत से एक उत्पादक दौर की उम्मीद है। वे यहां राष्ट्रपति लूला के साथ व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष, प्रौद्योगिकी, कृषि, स्वास्थ्य सहित दोनों देशों के बीच सामरिक साझेदारी को व्यापक बनाने पर द्विपक्षीय चर्चा करेंगे। अपनी यात्रा में प्रधानमंत्री मोदी 6 और 7 जुलाई को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद राजकीय यात्रा करेंगे, जिसके लिए वे ब्रासीलिया जाएंगे। ब्रिक्स में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका सदस्य देश हैं जिसमें पांच अतिरिक्त सदस्य देश मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और यूएई के साथ संगठन का विस्तार किया गया है।

संक्षिप्त

कांग्रेस पार्टी की तुष्टीकरण नीति के खिलाफ थे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी : बाबूलाल

रांची । प्रदेश भाजपा ने रविवार को प्रदेश के सभी 27 सांगठनिक जिलों में पार्टी के प्रेरणा पुरुष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती मनाई और व्यक्तित्व और कृतित्व पर गोष्ठियां आयोजित की। धनबाद महानगर जिला की ओर से आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक,विचारक,शिक्षाविद और राजनेता थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की एकता अखंडता केलिए डॉ मुखर्जी ने अपने जान की बाजी लगा दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने दलाई लामा को 90वें जन्मदिन पर दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा को उनके 90वें जन्मदिन के अवसर पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उन्हें प्रेम, करुणा, धैर्य और नैतिक अनुशासन के चिरस्थायी प्रतीक बताया। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि उनके संदेश ने सभी धर्मों के लोगों में सम्मान और प्रशंसा की भावना पैदा की है। एक्स पर अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा, "मैं 1.4 अरब भारतीयों के साथ मिलकर परम श्रद्धेय दलाई लामा को उनके 90वें जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

सत्य का मार्ग अपनाने के लिए प्रेरित करता है हजरत इमाम हुसैन का बलिदान : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री मोदी नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हजरत इमाम हुसैन द्वारा दिया गया बलिदान धर्म के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वह लोगों को विपरीत परिस्थितियों में भी सत्य का मार्ग अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट में कहा, "हजरत इमाम हुसैन (ए.एस.) का बलिदान धर्म के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की याद दिलाता है। वह लोगों को विपरीत परिस्थितियों में भी सत्य का मार्ग अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं।" उल्लेखनीय है कि आज इस्लाम में आशूरा का दिन है, जो मुहर्रम माह की 10वीं तिथि को आता है। इस दिन को हजरत इमाम हुसैन की करबला में दी गई शहादत के लिए याद किया जाता है।

बिहारियों के लिए लड़ूंगा चुनाव : चिराग पासवान

चिराग ने बिहार विधानसभा की सभी सीटों पर चुनाव लड़ने का किया ऐलान

एजेंसी, पटना

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में प्रदेश की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान खुले मंच से किया। चिराग के मंच से दिये गये इस बयान ने एनडीए गठबंधन में शामिल भाजपा और जदयू की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। चिराग पासवान रविवार को छपरा के राजेंद्र स्टेडियम में पार्टी द्वारा आयोजित 'नव-संकल्प महासभा' कार्यक्रम में शामिल हुए । इस दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए चिराग ने कहा कि आज सारण की इस पावन धरती से आप सबके सामने मैं यह कहकर जा रहा हूं कि हां, मैं चुनाव लड़ूंगा। मैं चुनाव लड़ूंगा बिहारियों के लिए, अपने भाइयों के लिए, अपनी माताओं के लिए, अपनी बहनों के लिए और बिहार में एक ऐसी व्यवस्था तैयार करेंगे, एक ऐसा बिहार बनाएंगे जो सही मायनों में प्रदेश को विकास की राह पर आगे ले जाएगा।

उन्होंने कहा, ''मैं ना रुकने वाला हूं, ना थकने वाला हूं और डरता तो मैं किसी से नहीं हूं। जितनी ताकत आजमानी है आजमा लो। सर पर कफन बांध के निकला हूं कि जब तक बिहार को विकसित राज्य नहीं बना दूंगा, तब तक मैं भी चैन की सांस नहीं लूंगा। पर इसके लिए साथियों जरूरत है मुझे आप सब की।'' कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने आरोप लगाया कि कई ऐसे लोग हैं जो नहीं चाहते कि चिराग पासवान बिहार आएं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने बिहारी युवाओं को पलायन कर दूसरे राज्यों और देशों में रहने के लिए मजबूर किया, वे उसी तरीके से चाहते हैं कि चिराग पासवान अगर बिहार आ गए तो युवाओं को उनका हक दिलाएंगे। उन्होंने कहा कि वह महिलाओं, बुजुर्गों, किसानों और मजदूरों के हक की बात करेंगे, इसीलिए ये लोग नहीं चाहते कि चिराग पासवान बिहार आएं। चिराग ने आरोप लगाया कि यही वजह है कि ये लोग षड्यंत्र रचते हैं और भ्रम की स्थिति बनाते हुए बार-बार यह सवाल पूछते हैं कि क्या चिराग पासवान विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे।

खदान हादसा : चाल धंसने से मारे गए चार मजदूरों के परिजनों को मिलेगा 8 लाख का मुआवजा

एजेंसी, रामगढ़

झारखंड के रामगढ़ जिले के कुजू ओपी क्षेत्र अंतर्गत करमा परियोजना में अवैध खनन के दौरान शनिवार सुबह चाल धंसने से चार लोगों की मौत को लेकर जबरदस्त हंगामा हुआ। ग्रामीण की ओर से मुआवजे की मांग की गई। आखिरकार ग्रामीणों की मांगों के आगे सीसीएल प्रबंधन और जिला प्रशासन को झुकना पड़ा और मुआवजा देने के लिए तैयार हुआ। यह वार्ता आधी रात के बाद तक चली। शनिवार की रात करीब दो बजे प्रबंधन, प्रशासन और राजनीतिक दलों के बीच हुई वार्ता चली। इसके बाद मृतक के परिजनों और ग्रामीणों ने अपना आंदोलन समाप्त कर दिया गया। इसमें मजदूरों के परिजों को कुल 8 लाख रुपये की मुआवजे पर बात बनी है। जिसमें हर मृतक के परिजन को सीसीएल प्रबंधन 1.70 लाख प्रति व्यक्ति रुपये देगी। जबकि जिला प्रशासन 30 हज़ार रुपये प्रति व्यक्ति देगा। इस तरह से कुल 8 लाख रुपये की मुआवजा पर सहमति बनी। इसके अलावा मृतकों के परिजनों को एक एक सदस्य को आउटसोर्सिंग के जरिए काम देने की भी सहमति बनी है। इस सफल वार्ता के बाद परिजनों ने वहां से शवों को उठाकर अपने आंदोलन को समाप्त कर दिया। खदान में मरने वाले चार मजदूरों की पहचान मो. इम्तियाज, रामेश्वर मांझी, वकील करमाली और निर्मल मुंडा के रूप में हुई है। राजनीतिक दल, सीसीएल प्रबंधन और जिला प्रशासन के बीच चली त्रिपक्षीय वार्ता में मुआवजे की रकम तय होने के बाद आंदोलन खत्म हो गया। इस समझौते पत्र पर मृतक के परिजनों की ओर से गुलशन करमाली, बुधन मांझी, मो. मुमताज और विजय करमाली ने हस्ताक्षर किए। इसके अलावा सीसीएल की ओर से प्रबंधक कार्मिक अविनाश कुमार श्रीवास्तव, संजय कुमार सिंह, करमा परियोजना पदाधिकारी रामेश्वर मुंडा ने दस्तखत किए। करमा के महुआतुंगड़ी के ग्रामीण शनिवार की तड़के सुबह सीसीएल के लीज एरिया करमा परियोजना में कोयला चोरी करने पहुंचे थे।

बिहार को बना दिया क्राइम कैपिटल अब बदलाव जरूरी : राहुल गांधी

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर भाजपा और प्रदेश के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जबरदस्त निशाना साधा है। उन्होंने प्रमुख व्यवसायी गोपाल खेमका हत्याकांड को लेकर कहा कि भाजपा और नीतीश कुमार ने मिलकर बिहार को भारत की क्राइम कैपिटल बना दिया है। अब जबकि बिहार विधानसभा चुनाव करीब ही हैं तो ऐसे में बदलाव जरुरी हो गया है। राज्य में क्राइम रेट बढ़ने से राजनीति भी गर्मा गई है। दरअसल कांग्रेस नेता व सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट करते हुए कहा, कि पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका की सरेआम गोली मारकर हत्या ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि भाजपा और नीतीश कुमार ने मिलकर बिहार को भारत की क्राइम कैपिटल बना दिया है। बिहार आज लूट, गोली और हत्या के साए में जी रहा है। अपराध यहां नया नॉर्मल बन चुका है- और सरकार पूरी तरह नाकाम। इसी के साथ ही राहुल गांधी ने पोस्ट में आगे लिखा है, कि बिहार के भाइयों और बहनों, यह अन्याय अब और नहीं सहा जा सकता। जो सरकार आपके बच्चों की सुरक्षा नहीं कर सकती, वह आपके बेहतर भविष्य की जिम्मेदारी भी नहीं ले सकती। हर हत्या, हर लूट, हर गोली- एक चीख है बदलाव की। अब समय है एक नए बिहार का- जहां डर नहीं, तरक्की हो। इस बार वोट सिर्फ सरकार बदलने के लिए नहीं, बल्कि बिहार को बचाने के लिए भी है।

हिमाचल प्रदेश के 10 जिलों में बाढ़ का अलर्ट, मंडी व चंबा में फटे बादल, 16 दिन में 78 मौतें

एजेंसी, शिमला

हिमाचल प्रदेश में मानसून का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार को रेड अलर्ट के बीच मंडी और चंबा जिलों में बादल फटने की घटनाएं सामने आईं, जिससे जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। वहीं मौसम विभाग ने राज्य के 10 जिलों में अगले 24 घंटों के लिए फ्लैश फ्लड की चेतावनी जारी की है। लाहौल-स्पीति और किन्नौर को छोड़कर सभी जिलों ऊना, चंबा, कुल्लू, कांगड़ा, बिलासपुर, हमीरपुर, सोलन, शिमला, सिरमौर और मंडी में फ्लैश फ्लड का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने 7 जुलाई को ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, कांगड़ा, मंडी, शिमला, सोलन व सिरमौर में भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट और चंबा व कुल्लू में येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं 8 जुलाई को भी ऊना, हमीरपुर, कांगड़ा व सिरमौर में ऑरेंज और शिमला-बिलासपुर में येलो अलर्ट रहेगा। 9 और 10 जुलाई को अधिकांश जिलों में येलो अलर्ट जारी रहेगा। 11 व 12 जुलाई को भी बारिश की आशंका जताई गई है, लेकिन किसी तरह का अलर्ट व चेतावनी नहीं दी गई है। बीते 24 घण्टों के दौरान हमीरपुर जिला के अघ्घर में सर्वाधिक 110 मिमी वर्षा हुई। कांगड़ा जिला के नगरोटा सुर्रियां में 100, अम्ब, ऊना व संधोल में 70-70, गुलेर व धर्मशाला में 60-60, कटुआला, घमरूर, बरठीं, सुजानपुर व भराड़ी में 40-40, नादौन, काहू, मंडी व नैनादेवी में 20-20 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। चंबा जिले के चुराह उपमंडल में बघेईगढ़ नाले में रविवार सुबह बादल फटने से आई भीषण बाढ़ ने नकरोड़-चांजू सड़क पर बना पुल बहा दिया, जिससे चार ग्राम पंचायतों चरड़ा, चांजू, देहरा और बघेईगढ़ का जिला मुख्यालय से संपर्क कट गया है। वहीं, मंडी जिले के पधर उपमंडल की टिक्कन पंचायत में देर रात बादल फटने से दो पुलियां बह गईं।

हिन्दुओं को जो बांटेगा वो खुद कट जाएगा : रामभद्राचार्य

कुछ लोग तिरंगा पर चांद चाहते हैं लेकिन हम तिरंगा को चांद पर लहराता देखना चाहते हैं : बाबा धीरेन्द्र शास्त्री

एजेंसी, पटना

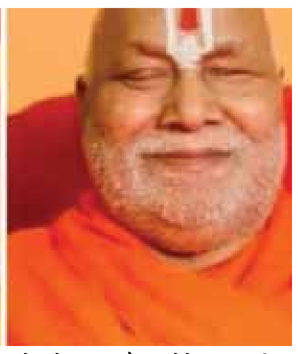

राजधानी पटना में रविवार को सनातन महाकुंभ का आयोजन किया गया। इस मौके पर रामभद्राचार्य ने कहा कि हिन्दुओं को जो बांटेगा वो खुद कट जाएगा। इस सनातन महाकुंभ में देश भर के संत शामिल हो रहे हैं।

जगदगुरु स्वामी रामभद्राचार्य ने कहा कि पटना के गांधी मैदान में मुझे और धीरेंद्र शास्त्री को आने से रोका गया। उन्होंने कहा कि सत्ता अब हिंदू विरोधी के हाथ में कभी नहीं जाएगी। हिंदू को जो बांटना चाहेगा वो खुद ही कट जाएगा।

इस सनातन महाकुंभ में बागेश्वर पीठाधीश्वर बाबा धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि हम यहां राजनीति के लिए नहीं बल्कि राम नीति के लिए आए हैं। उन्होंने कहा कि भारत अगर हिंदू राष्ट्र होगा तो बिहार से इसकी शुरुआत होगी और वह पहला राज्य बनेगा। उन्होंने यह भी कहा कि वह किसी धर्म के विरोधी नहीं हैं। वो बिहार में विधानसभा चुनाव के बाद पूरे प्रदेश का दौरा करेंगे। साथ ही 7 नवम्बर से 16 नवम्बर तक दिल्ली से वृंदावन की यात्रा करेंगे।

पटना में आयोजित महाकुंभ में धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, "बिहार से ही भारत के हिंदू राष्ट्र बनने की शुरुआत होगी। अगर हमारे धर्म पर घात हुआ तो हम प्रतिघात करेंगे, भगवा गजवा-ए-हिंद की शुरुआत बिहार से होगी। उन्होंने कहा कि कुछ लोग तिरंगा पर चांद चाहते हैं लेकिन हम तिरंगा को चांद पर लहराता देखना चाहते हें। यह भव्य आयोजन भगवान परशुराम के जन्मोत्सव के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है। इस महाकुंभ में धार्मिक प्रवचन और भजन-संध्या के साथ- साथ संत समागम, हवन-पूजन और वैदिक मंत्रोच्चार भी किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि प्रतिष्ठित गांधी मैदान में सनातन महाकुंभ 2025 का भव्य आयोजन किया जा रहा है। पहली बार इस महाकुंभ का आयोजन पटना में हो रहा है। इसमें बड़ी संख्या में देशभर के संत-महात्मा, जगद्गुरु और महामंडलेश्वर शामिल हुए।

बिहार में सुचारु रूप से चल रही एसआईआर प्रक्रिया, चुनाव आयोग ने भ्रामक बयानों से सतर्क रहने की दी सलाह

एजेंसी, नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि बिहार में एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) की प्रक्रिया 24 जून को जारी निर्देशों के अनुसार पूरी पारदर्शिता के साथ सफलतापूर्वक संचालित हो रही है। आयोग ने दोहराया है कि प्रक्रिया से संबंधित किसी भी प्रकार के निर्देशों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

आयोग से जुड़े सूत्रों के अनुसार, 1 अगस्त को जारी होने वाले मसौदा निर्वाचक नामावली में केवल उन मतदाताओं के नाम शामिल किए जाएंगे जिनके नामांकन फॉर्म 25 जुलाई से पहले प्राप्त हो चुके होंगे। मतदाता आवश्यक दस्तावेज 25 जुलाई तक कभी भी जमा कर सकते हैं।

एलन मस्क ने की नई राजनीतिक पार्टी की घोषणा

एजेंसी, वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व करीबी सहयोगी रहे टेस्ला के मालिक और दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क ने शनिवार को यह कहते हुए नई राजनीतिक पार्टी की घोषणा की कि अमेरिका की "वन-पार्टी सिस्टम" को चुनौती देना जरूरी है। साल 2024 के चुनाव में मस्क, ट्रंप के सबसे बड़े दानकर्ता थे, लेकिन दोनों में वन बिग ब्यूटीफुल बिल को लेकर अनबन के बाद मस्क की राह अलग हो गई। एलन मस्क ने शनिवार को खुद की राजनीतिक पार्टी की घोषणा कर सभी को चौंका दिया। उन्होंने शनिवार को घोषणा की कि वे 'अमेरिकन पार्टी' शुरू कर रहे हैं, जो अमेरिकी नागरिकों को उनकी आजादी लौटाने के लिए बनाई गई है। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा- "जब बात बर्बादी और भ्रष्टाचार से हमारे देश को दिवालिया बनाने की आती है, तो हम बन पार्टी सिस्टम में रहते हैं, लोकतंत्र में नहीं।" उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी अमेरिका के लोगों के लिए असली राजनीतिक विकल्प बनेगी। मस्क ने नई राजनीतिक पार्टी बनाने का फैसला उस समय किया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ उनके रिश्ते बेहद खराब हो चके हैं।

संक्षिप्त समाचार

मुकेश सहनी का भाजपा में स्वागत- जनक राम

मुजफ्फरपुर। प्रदेश के अनुसूचित जाति एवं जनजाति मंत्री जनक चमार आज एक दिवसीय दौरे पर मुजफ्फरपुर पहुंचे। सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस दौरान जनक चमार ने लालू यादव और राजद एमएलसी उर्मिला ठाकुर पर कटाक्ष किया। साथ ही मुकेश सहनी को लेकर कहा कि वो भाजपा में आना चाहे तो उनका स्वागत है। ये पार्टी जनहित में काम करती है। मंत्री ने कहा कि ईश्वर उर्मिला ठाकुर को सद्बुद्धि दें। अखंड भ्रष्टाचार में डूबे हुए लालू यादव को जनता ने सत्ता से बाहर कर दिया है। लालू यादव ने हमेशा बिहार के अधिकारी, पदाधिकारी और जनमानस को हमेशा अपमानित किया है। बिहार के लोगों ने देखा है कि उर्मिला ठाकुर, जिसको भगवान कह रही है कि वो कैसे नेता है। लालू यादव के शासनकाल में आईएएस को दौरा कर गोलियां मारी जाती थी। बिहार इसको भूला नहीं है। चंपा विश्वास, यूएन विश्वास, शिल्पी कांड को बिहार के लोग जब याद करते है, तो रूह कांप जाती है। वैसे अप्रिय नेता, पर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दिया। वो जनता के बीच चुनाव नहीं लड़ सकते है। वैसे लोग को भगवान कहना बिहार के 14 करोड़ जनता का अपमान है। लालू यादव कभी दलितों को अपमानित करते है, कभी आकलित को अपमानित करते है। कभी भूरा बाल साफ करने का नारा देते है। कई कांड करवाकर लालू यादव ख्याति हासिल करते हैं। बिहार की जनता देख रही है कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को अपने पैरों में रखवा रहे हैं, यह तानाशाही का प्रतीक है। बिहार के लोग कभी लालू यादव को क्षमा नहीं करेंगे। लालू यादव जब सजायाफ्ता हो गए, तो बेटा को आगे कर दिए। पत्नी को मुख्यमंत्री बनवा दिए। लाली यादव वंशवाद और परिवारवाद करते है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जनता को अपना परिवार मानते है। लेकिन, लालू यादव कहते है कि मेरा बेटा और बेटी ही मेरा परिवार है। यह दुर्भाग्य है। बिहार की जनता अब कभी इनको माफ नहीं करेगी। साल 2025 के चुनाव में जनता विरोधी दल का तगमा भी नहीं देगी।

मुजफ्फरपुर में बिस्किट एजेंसी से 2 लाख की लूट

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में गन पॉइंट पर कर्मचारियों को बंधक बनाकर बिस्किट एजेंसी से 2 लाख की लूट हुई है। अपराधियों ने सभी स्टाफ के मोबाइल को भी लूट लिया। जिसके चलते वारदात के डेढ़ घंटे बाद पुलिस को सूचना मिली। घटना नगर थाना क्षेत्र के अंडी गोला की है। एजेंसी के स्टाफ सुशील ने बताया, 'शनिवार रात 8 बजे के करीब हमलोग गोदाम में अपना काम कर रहे थे। इस बीच चार अपराधी पहुंचे। हेलमेट और मास्क से सभी ने अपना फेस कवर करके रखा था। हथियार के बल पर बंधक बना लिया। काउंटर से 2 लाख रुपए कैश निकाल लिया। हमलोगों को दीवार की तरफ मुंह करके खड़ा कर दिया। किसी का चेहरा नहीं देख पाया। विरोध करने पर मारपीट भी किया। कैश लूटने के बाद शटर गिराकर अपराधी भाग निकले। जाते समय मोबाइल भी छीन लिया। एक कर्मी का मोबाइल अंदर ही था, लेकिन चार्ज नहीं था। जार्ज करने के बाद रिश्तेदार को कॉल करके बुलाया। उसने आकर शटर उठाया। करीब डेढ़ घंटा बाद पुलिस को मामले की जानकारी दी गई। जानकारी मिलते ही एसडीपीओ टाउन-1 सीमा देवी, नगर थानाध्यक्ष टीम के साथ मौके पर पहुंचे। आम होला ओवरब्रिज के पास एक स्टाफ का मोबाइल मिला है।

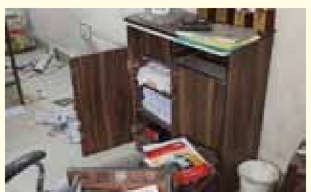

बाइक सवार बदमाशों ने गोली मारकर की व्यक्ति की हत्या

हाजीपुर। वैशाली के महनार थाना क्षेत्र के लवापुर नारायण पंचायत के वार्ड नंबर एक में में एक व्यक्ति की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान मुजफ्फरपुर निवासी सुरेंद्र झा(55) के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार सुरेंद्र झा अपने समधी विजय झा के घर जा रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार अपराधी उनका पीछा करते हुए आए और बदमाशों ने उनकी बाइक को ओवरटेक किया फिर सीने में गोली मार दी। गोली लगते ही सुरेंद्र झा जमीन पर गिर पड़े। वहीं मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। अपराधी घटना को अंजाम देने के बाद फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही महनार थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अभी तक हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए आसपास के इलाकों में छापेमारी कर रही है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने मृतक के रिश्तेदारों और परिजनों को घटना की जानकारी दे दी है।

बिहार में कानून व्यवस्था ध्वस्त- चिराग पासवान

हाजीपुर। वैशाली में रविवार को केंद्रीय मंत्री और लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान दौरे पर रहे। हाजीपुर में मीडिया से बातचीत के दौरान राज्य की बिगड़ती कानून व्यवस्था पर चिराग ने सवाल खड़े किए। इसके साथ ही चिराग ने महाराष्ट्र की राजनीति और बिहार बंद पर विपक्ष की भूमिका को लेकर तीखा हमला बोला। चिराग पासवान ने पटना में हुए कारोबारी की हत्या को लेकर नीतीश सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि "बिहार में लॉ एंड ऑर्डर पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है। यह बेहद चिंता का विषय है।" महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के एक मंच पर आने को लेकर चिराग ने कहा कि, "दोनों नेता अपनी खोई हुई राजनीतिक जमीन को वापस पाने के लिए एकजुट हुए हैं। यह मंच भाषाई मुद्दे या विचारधारा के आधार पर नहीं, बल्कि राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए साझा किया गया है।" उन्होंने कहा कि, "बाला साहब ठाकरे की विरासत दोनों नेताओं ने हाल के वर्षों में खो दी है। अब वे मतभेद भुलाकर मंच साझा कर रहे हैं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि मनभेद मिटे हैं या नहीं। राजनीतिक लाभ के लिए साथ में तस्वीर खिंचवाना ही इनकी प्राथमिकता है।"

मोहर्रम के ताजिया जुलूस में दो अखाड़ों के बीच विवाद

हाजीपुर। वैशाली के देसरी सब्जी हाट में रविवार दोपहर मोहर्रम के ताजिया जुलूस के दौरान दो अखाड़ों के बीच झड़प हो गई। जिसमें आजाद अखाड़ा और पगला अखाड़ा के लोग आमने-सामने आ गए। मिली जानकारी के अनुसार आजाद अखाड़ा का जुलूस इमामबाड़े से जफराबाद की तरफ जा रहा था। इसी दौरान पगला अखाड़ा देसरी पटेल चौक की तरफ से आ रहा था। दोनों अखाड़े सब्जी हाट में मिल गए। शुरू में बहस हुई। फिर पगला अखाड़े के एक सदस्य ने आजाद अखाड़े के एक खिलाड़ी पर हमला कर दिया। इसके बाद दोनों पक्षों में झड़प शुरू हो गई। घटना की सूचना मिलते ही देसरी थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया। इसके बाद दोनों अखाड़े अपनी-अपनी दिशा में भ्रमण के लिए निकल गए। देसरी थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि मामला बढ़े नहीं, इसलिए पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ा दी गई है। ताजिया के भ्रमण मार्ग पर पुलिस अधिकारी और कर्मियों की तैनाती कर दी गई है। झड़प में कुछ लोगों के घायल होने की सूचना है।

लड़कियों को एमपी-राजस्थान में बेचने वाली महिला गिरफ्तार

❑ 6 माह में 12 लड़कियों की डील, पटना-आरा, रोहतास में सक्रिय गिरोह, 5 पहले हो चुके अरेस्ट

एजेंसी, पटना

दानापुर की पुलिस ने मानव तस्करी गिरोह की मुख्य आरोपी महिला को आरा से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान भोजपुर के चौरी थाना क्षेत्र की रहने वाली बिंदा कुंवर के रूप में हुई है। इस मामले में पहले ही एक महिला समेत 5 तस्करों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। सिटी एसपी पश्चिमी भानु प्रताप सिंह ने बताया कि यह मामला 19 मई को एक नाबालिग लड़की की गुमशुदगी की शिकायत से शुरू हुआ था। जांच में पता चला कि गिरोह नाबालिग लड़कियों को मध्य प्रदेश और राजस्थान में बेचता था। गुमशुदा नाबालिग को तस्करों ने बंधक बनाकर जबरन शादी करा दी थी। गिरफ्तार महिला तस्कर ने दो और नाबालिग लड़कियों को इन राज्यों में बेचने की बात कबूली है।

एमपी-राजस्थान पुलिस की मदद ले रही बिहार पुलिसः यह गिरोह पटना, आरा, रोहतास और अन्य जिलों में सक्रिय है। गिरोह के सदस्य मध्य प्रदेश और राजस्थान के दलालों के संपर्क में रहते हैं। पुलिस गिरफ्तार तस्करों के मोबाइल रिकॉर्ड की जांच कर रही है। राजस्थान और मध्य प्रदेश की पुलिस से गिरोह के अन्य

सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए मदद ली जा रही है। पूछताछ के बाद आरोपी महिला को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

27 जून को पटना पुलिस ने पूरे रैकेट का किया था खुलासाः पटना पुलिस ने शादी के नाम पर लड़कियों को बेचने वाले गैंग का पर्दाफाश किया था। 27 जून को पटना SSP कार्तिकेय के शर्मा ने पीसी में घटना की जानकारी दी थी। बताया गया कि आरा की लड़की को गैंग ने राजस्थान में बेचा था। लड़की वहां से भागकर दानापुर थाने पहुंची तो पूरे रैकेट का खुलासा हुआ। लड़की की निशानदेही पर पुलिस ने रोहतास के दिनारा में रेड की। यहां से 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। इसमें एक महिला भी है। ये गैंग रेलवे स्टेशन पर मजबूर लड़कियों को निशाना बनाती थी। इसके बाद अच्छी लाइफ का लालच देकर उनकी शादी करवाती थी। शादी के बाद मध्यप्रदेश और राजस्थान में लड़कियों को बेच दिया जाता था। गैंग शादी के लिए जिस मैरिज हॉल का इस्तेमाल करती थी, पुलिस ने उसके मालिक अजय कुमार गुप्ता को भी गिरफ्तार किया है। आगे पढ़िए गैंग की पूरी कहानी, कैसे ये लड़कियों को शिकार बनाते थे....

6 महीने में 10 लड़कियों को शिकार बना चुकी है गैंगः शुक्रवार को पटना SSP कार्तिकेय के शर्मा ने बताया कि 'पूरा मामला ह्यूमन ट्रैफिकिंग से जुड़ा है। इसके लिए पूरी गैंग काम कर रही है। इसमें महिला समेत कई लोग शामिल हैं।' 'गैंग पिछले 6 महीने में 10 लड़कियों को अपना शिकार बना चुकी है। ये लोग लड़कियों को बहला-फुसला कर शादी के नाम अपने ठिकानों पर ले जाता है। वहां लड़कियों की डील तय होती है।'

पटना में मानसिक रोगी को परिजनों ने पिलर से बांधा

एनटीपीसी में मजदूरी करता है झारखंड निवासी युवक, प्राथमिक उपचार के बाद पीएमसीएच रेफर

एजेंसी, पटना

पटना के बाढ़ अनुमंडलीय अस्पताल में एक मानसिक रोगी बिरजू (30) को परिजनों ने पिलर से बांध दिया। रांची, झारखंड का रहने वाला बिरजू NTPC में मजदूर के रूप में कार्यरत था। अचानक उसकी मानसिक स्थिति बिगड़ गई और वह अजीब व्यवहार करने लगा।

प्राथमिक इलाज के बाद PMCH रेफरः परिजनों को युवक को अस्पताल परिसर में स्थित एक चबूतरे के पिलर से बांधना पड़ा। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (PMCH) रेफर कर दिया है। स्थानीय लोग अस्पताल प्रशासन की तैयारियों पर भी सवाल खड़े कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि बिरजू का अनुमंडलीय अस्पताल में लगभग दो घंटे तक इलाज किया गया। इसके बाद बिरजू ने बवाल मचाना शुरू कर दिया, डॉक्टर ने स्थिति को देखकर PMCH रेफर कर दिया गया। युवक को अस्पताल कैंपस में लाया गया, जहां परिजनों को घंटों तक एंबुलेंस का इंतजार करना पड़ा। इसी दौरान हंगामा करने के कारण परिजनों ने युवक को परिसर में स्थित चबूतरे के पिलर से बांध दिया गया।

पटना में सनातन महाकुंभ, धीरेंद्र शास्त्री बोले-भगवा-ए-हिंद होना चाहिए

» धर्म पर हमला हुआ तो पलटवार करूंगा, रामभद्राचार्य ने कहा- बिहार हिन्दू विरोधियों को सत्ता नहीं सौंपेगा

एजेंसी, पटना

पटना के गांधी मैदान में पहली बार सनातन महाकुंभ का आयोजन किया गया। आज यानी रविवार को हो रहे इस महाकुंभ में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री भी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि 'सनातन का मतलब है हिंसा नहीं अहिंसा है। बिहार के पागलों एक बात गांठ बांध लो, हम सब हिन्दू हैं। कही भाषावाद की लड़ाई चल रही, कही क्षेत्र की, कहीं जाति की। हम सब को याद रखना है कि हिंदू को कटने नहीं देना है और घटने भी नहीं देना है।' 'पत्रकार बंधु सुन लीजिए हम किसी पार्टी के नहीं है, लेकिन जिस पार्टी में हिंदू है हम उस पार्टी के हैं। कितनी भी राजनीति कर लो हम हिन्दू अलग नहीं होंगे।'

वहीं जगतगुरू राम भद्राचार्य ने कहा कि- वक्फ बोर्ड अब कभी नहीं हटेगा, ये मैं मंच से घोषणा करता हूं। अब यह बिहार हिन्दू विरोधियों को सत्ता नहीं सौंपेगा।

पूरे देश से संत सनातन महाकुंभ में पहुंचेः जगतगुरु श्री स्वरूपानंद सरस्वती जी (विशाखा शारदा पीठ), जगतगुरु रामभद्राचार्य के साथ साथ देशभर के साधु-संत जुटे। इसके अलावा राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और डिप्टी CM विजय सिन्हा भी शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 9 बजे से हनुमान चालीसा और परशुराम चालीसा की पाठ से की गई।

कांग्रेस ने दी बड़ा आंदोलन करने की चेतावनी

एजेंसी, पटना

कांग्रेस ने 9 जुलाई को चक्का जाम का ऐलान किया है। प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि 9 तारीख को हम लोग बहुत जोरों से चक्का जाम करेंगे। वह धीरे से नहीं होगा। इस दिन हम लोग चक्का जाम करेंगे। यदि इसमें सफलता मिली तो बड़ा आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि,'वोटर लिस्ट पुनरीक्षण को लेकर लगता है विपक्ष पार्टी हमलावर है। कांग्रेस का आरोप है कि एनडीए सरकार हमारे लोकतांत्रिक अधिकार छीन रही है।

सरकारी मताधिकारी वरीय पदाधिकारी के प्रभाव में काम नहीं करेंगे? प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा, 'हम लोगों ने मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर चुनाव आयोग से मिलने का काम किया था। बिहार की जनता के साथ अन्याय, धोखा, षड्यंत्र हो रहा है। इसी षड्यंत्र को उजागर करने के लिए हम लोग लगातार इलेक्शन कमीशन से मुलाकात कर रहे थे'। 'अभी

इलेक्शन कमिशन का एक विज्ञापन आया है, उसमें मतदाता लिस्ट से संबंधित फॉर्म पर जारी एक पोस्ट में उस प्रक्रिया में कुछ शिथिलता लाई गई है। लेकिन निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी दस्तावेज के बिना सत्यापन पर निर्णय ले सकते हैं, ये पोस्ट में कहा गया है। इसका मतलब यह हुआ कि कुछ प्रक्रिया आपने शिथिल किया लेकिन सारा अधिकार आरोपवाद में दे दिया'। 'हमारा विरोध इस बात से है कि एक मताधिकारी जो सरकारी होगा, क्या वरीय पदाधिकारी के प्रभाव में काम नहीं करेंगे। भले ही निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी दस्तावेज के बिना सत्यापन करेंगे, लेकिन उनका विवेक भी उसपर थोपा गया है'। आगे कहा कि अगर जरूरी दस्तावेज और फोटो उपलब्ध नहीं है, तो बस नामांकन फॉर्म भरें, उसे बूथ स्तर अधिकारी जैसा आप सभी जानते हैं कि जिसका उत्तर होता है, ब्यूरोक्रेट्स उनके प्रभाव में काम करते हैं। अगर वह उनके प्रभाव में काम करेंगे तो वोटर लिस्ट में जिनका नाम जोड़ना हो, तो फिर वह निष्पक्ष नहीं रहेंगे। वोटरों को जोड़ना उनकी मर्जी पर निर्भर करेगा।

♦ पटना में 9 जुलाई को चक्का जाम करेगी पार्टी, वोटर लिस्ट रिविजन पर सरकार से पूछे कई सवाल

राजेश राम ने चुनाव आयोग से कुछ प्रश्न किए हैंः प्रदेश अध्यक्ष ने कहा',क्या यह एक नियोजित षड्यंत्र है, कुछ राजनीतिक दलों को लाभ पहुंचाने के लिए ऐसा किया गया है। अगर अंतिम निर्णय विवेक पर छोड़ा गया है। तो क्या बहुत बड़ी संख्या में भाजपा और जदयू की सरकार में वोटर लिस्ट के साथ मनमानी नहीं होगी। किसी एक मताधिकारी को पूरा अधिकार दे रहे हैं, इसलिए पूरी तरह से इलेक्शन कमीशन कंफ्यूज है। इनका षड्यंत्र बिहार में 8 करोड़ मतदाताओं को मतदाता से वंचित करने का है। जनता की लड़ाई में हम सब की भागीदारी है।

मेडिकल कॉलेज पर दिलीप जायसवाल का अवैध कब्जा:पीके

❑ क्लर्क से डायरेक्टर बने बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष, राबड़ी देवी पर भी आरोप, कोर्ट जाएगी जन सुराज

एजेंसी, पटना

BJP प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल पर जन सुराज ने बड़ा आरोप लगाया है। प्रशांत किशोर ने दिलीप जायसवाल पर आरोप लगाते हुए कहा है कि दिलीप जायसवाल ने माता गुजरी मेडिकल कॉलेज पर अवैध तरीके से कब्जा कर लिया है। प्रशांत किशोर द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस कर किए गए खुलासे के बीच मेडिकल कॉलेज के ट्रस्टी सरदार मलेश्वर सिंह भी परिवार के साथ पहुंचे। माता गुजरी मेडिकल कॉलेज के ट्रस्टी की बेटी ने आरोप लगाते हुए कहा कि जिस कॉलेज में दिलीप जायसवाल क्लर्क थे, गलत तरीके से इस कॉलेज में वह डायरेक्टर बन गए हैं। गुरदयाल सिंह जो सरदार मलेश्वर सिंह के बेटे हैं

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि इसकी जांच CBI से कराई जानी चाहिए, ताकि सारी सच्चाई सामने आ सके।

PK बोले- मामले को कोर्ट में ले जाएगा जन सुराजः प्रशांत किशोर ने कहा कि इस मामले को हम कानूनी कदम उठाए जाएंगे। जन सुराज नेता और सीनियर एडवोकेट वाई गिरी ने कहा कि इस मामले को अदालत में ले जाकर सच्चाई सामने लाएंगे।

'दिलीप जायसवाल और राबड़ी देवी की मिलीभगत': प्रशांत किशोर ने कॉलेज पर अवैध कब्जे को लेकर दिलीप जायसवाल और राबड़ी देवी के बीच मिलीभगत का भी आरोप लगाया है। प्रशांत किशोर ने कहा कि दिलीप जायसवाल और राबड़ी देवी मुंह बोले भाई-बहन हैं। दोनों मिले हुए हैं। सभी ने मिल-जुलकर गड़बड़ किया है। जब व्यक्तिगत लाभ की बारी आती है तो सब लोग आपस में मिल जाते हैं। प्रशांत किशोर ने कहा कि दिलीप जायसवाल ने कॉलेज में अपनी शुरुआत क्लर्क के रूप में की थी, लेकिन आज डायरेक्टर बन गए हैं। बिहार में 25 साल से यह सब चल रहा है, लेकिन किसी ने भी इस मामले को नहीं उठाया। एक व्यक्ति ने इस मामले को उठाने का प्रयास किया तो उसकी हत्या हो गई। प्रशांत किशोर ने कहा कि 50 से ज्यादा नेताओं के बच्चे इस कॉलेज में पढ़ाई कर डॉक्टर बने हैं।

जमीन विवाद में हुई गोपाल खेमका की हत्या

● बेऊर में बंद अजय वर्मा से पूछताछ, मर्डर से 10 दिन पहले हुई गिरफ्तारी, दिल्ली तक है नेटवर्क

एजेंसी, पटना

बिहार के बड़े कारोबारी गोपाल खेमका की हत्या जमीन विवाद में की गई है। खेमका की हत्या सुपारी देकर कराई गई है। जमीन विवाद को देखते हुए पुलिस की टीम ने शनिवार को फतुहा के औद्योगिक क्षेत्र और आरा में छापेमारी की। IG जितेंद्र राणा ने बताया कि पुलिस हत्या की जांच जमीन विवाद के एंगल पर भी कर रही है। अन्य बिंदुओं पर भी छानबीन हो रही है। बहुत जल्द इस हत्या के मामले का खुलासा कर लिया जाएगा।' 'बेऊर जेल से महत्वपूर्ण लीड्स मिले हैं। काफी गुप्त जानकारी हमारे पास है। पटना SSP कार्तिकेय शर्मा के नेतृत्व में SIT का गठन किया गया है। SIT, STF देर रात से ही छापेमारी कर रही है।' इस हत्याकांड के तार बेऊर जेल से भी जुड़ रहे हैं। कमिश्नर, आईजी, एसएसपी, 4 सिटी एसपी, कई डीएसपी और 12 थानाध्यक्षों की टीम ने शनिवार को बेऊर जेल में छापेमारी की।

पटना में राबड़ी आवास पहुंचा मुहर्रम का ताजिया जुलूस

एजेंसी, पटना

पटना स्थित 10 सर्कुलर रोड स्थित पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के आवास पर मुहर्रम का ताजिया जुलूस पहुंचा। बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग ताजिया लेकर राबड़ी आवास पहुंचे। ताजिया पहुंचते ही राबड़ी देवी ने पूरे विधि-विधान और श्रद्धा के साथ उसकी पूजा की। इस दौरान राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव भी मौजूद रहे। लालू प्रसाद यादव अपने आवास के बाहर कुर्सी पर बैठकर अखाड़े का करतब देखते नजर आए। अखाड़ा के लोगों ने लाठी का भी प्रदर्शन किया। लालू प्रसाद ने भी अखाड़ा के सदस्यों का उत्साहवर्धन किया। राबड़ी देवी के साथ उनकी

दोनों बेटियां रागिनी यादव और हेमा यादव भी ताजिया की पूजा में शामिल हुईं। रागिनी और हेमा ने ताजिया के समक्ष माथा टेका और अखाड़ा के लोगों को प्रसाद भी बांटा।

वर्षों से चली आ रही है परंपराः बता दें कि हर साल मुहर्रम के मौके पर ताजिया जुलूस राबड़ी देवी के आवास पहुंचता है। यहां पर ताजिया की पूजा-अर्चना के बाद ही वे लोग आगे बढ़ते हैं। यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है। लालू प्रसाद यादव के मुख्यमंत्री रहने के समय से ही यह परंपरा निभाई जाती रही है। राबड़ी देवी के मुख्यमंत्री बनने के बाद भी यह सिलसिला जारी रहा और आज भी उनके आवास पर ताजिया पहुंचता है। मुहर्रम के अवसर पर ताजिया जुलूस और अखाड़ा देखने के लिए स्थानीय लोग भी बड़ी संख्या में 10 सर्कुलर रोड के बाहर जमा थे। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस बल की तैनाती भी की गई थी।

कुर्सी पर बैठ लालू यादव ने देखा अखाड़े का करतब, बेटियों ने माथा टेक बांटा प्रसाद

बेउर जेल के तीन कक्षपाल निलंबित तीन अधिकारियों को नोटिस

तीन मोबाइल मिलने के बाद हुई कार्रवाई, गोपाल खेमका हत्याकांड को लेकर 100 कैदियों से हुई पूछताछ

एजेंसी, पटना

पटना के उद्योगपति गोपाल खेमका हत्याकांड के बाद शनिवार को पटना के बेउर जेल में छापेमारी की गई। जेल में 3 मोबाइल मिलने के बाद तीन कक्षपाल को सस्पेंड किया गया है। वहीं तीन अधिकारियों को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है। बेउर जेल से तीनों मिले मोबाइल को IG जितेंद्र राणा जांच के लिए अपने साथ ले गए हैं। माना जा रहा है कि मोबाइल के कॉल डिटेल्स और CDR से काफी कुछ जानकारी प्रशासन को मिल सकती है। बताते चले की पुलिस को इनपुट मिली थी कि उद्योगपति गोपाल खेमका हत्याकांड के तार पटना के बेउर जेल से जुड़े हैं।

100 कैदियों से हुई पूछताछः पटना जोन के IG जितेंद्र राणा, आयुक्त डॉ. चंद्रशेखर सिंह के नेतृत्व में

भारी संख्या में पुलिस बल के साथ शनिवार को पटना के बेउर जेल में छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान जेल के अंदर बंद लगभग 100 कैदियों से कई मामलों को लेकर पूछताछ की गई। हालांकि इस पूछताछ में क्या-क्या बातें निकाल कर सामने आयी है, प्रशासन ने जांच प्रभावित होने की बात कह कर फिलहाल इस मामले में कुछ भी बताने से इनकार कर दिया है। जेल DIG नीरज कुमार झा ने बताया कि जेल के अंदर मोबाइल मिलने के बाद डिप्टी सुपरिंटेंडेंट अजय कुमार, अस्सिटेंट सुपरीटेंडेंट नीरज कुमार रजक और दफा इंचार्ज गिरीश यादव को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

मॉनसून के बेरूखी से गिर रहा भू-जल स्तर

पिछड़ रहा खरीफ की खेती,गन्ना उत्पादक किसान परेशान

मोतिहारी। आषाढ महीना बीतने को है,लेकिन मॉनसून लगातार लगातार दगा दे रहा है। मॉनसून की इस बेरूखी से नेपाल सीमावर्ती पूर्वी चंपारण जिले का भू-जल स्तर लगातार गिरता जा रहा है,जिससे आम जनजीवन अब प्रभावित होने लगा है। भीषण गर्मी और बढ़ते तापमान ने स्थिति को और बदतर बना दिया है। जिले के कई क्षेत्रो में अब चापाकल सूखने लगे है। कही कही तो चापाकलों से गंदा और दूषित पानी निकलने लगा है। जानकार बताते है कि पिछले वर्ष की तुलना में इस बार भू-जल स्तर काफी नीचे चला गया है। मानसून की अनिश्चितता और अल्पवृष्टि ने जिले के किसानो के माथे पर चिंता लकीरे खींच रही है।किसान लक्ष्मण कुशवाहा बताते है,कि बड़ी परिश्रम से धान का बिचड़ा तैयार किया था लेकिन बारिश नही होने से उसकी रोपनी नही हो पा रही है। उल्लेखनीय है,कि जिले में कृषि योग्य भूमि का अधिसंख्य भाग असिंचिंत होने के कारण कृषि संकट गहराता जा रहा है। गन्ना किसान रामविनय सिंह बताते है,कि इस साल गन्ना के उत्तम प्रभेद की खेती किया हुँ।हमारे क्षेत्र में खुदी नहरो में कभी भी पानी मयस्सर नही हो सका है,सभी सरकारी नलकूपे बंद है। सरकार का विधुत कृषि फीडर बनाने का दावा खोखला है,लिहाजा डीजल पंप सेट के सहारे गन्ना का पटवन करा रहे है। किसानो ने बताया कि बारिश नही होने के खेतो के साथ ही अब पीने के पानी पर भी संकट गहराने लगा है।

आदेशों की उड़ रही धज्जियां, अस्पताल में नहीं लगा फ्लेक्स तक

- डेढ़ महीने में तीन बार सीएस का निरीक्षण फिर भी नहीं सुधरी अरेराज अनुमंडलीय अस्पताल की व्यवस्था
- बिना सूचना के 3 डॉक्टर गायब सीएस ने जताई सख्त नाराज़गी, कार्रवाई के संकेत

उज्ज्वल मिश्रा। अरेराज

अनुमंडलीय अस्पताल की बदहाल स्थिति पर आखिर कब लगेगी लगाम? स्वास्थ्य विभाग के सिविल सर्जन (CS) ने बीते डेढ़ महीने में तीसरी बार अस्पताल का औचक निरीक्षण किया, लेकिन हर बार की तरह इस बार भी लापरवाही और अनियमितता की वही तस्वीर सामने आई। निरीक्षण के दौरान तीन डॉक्टर बिना सूचना के गैरहाज़िर मिले। पहले भी इन्हें चेतावनी दी जा चुकी थी, बावजूद इसके कार्यशैली में कोई सुधार नहीं हुआ। सीएस ने इन डॉक्टरों से स्पष्टीकरण तलब करते हुए विभागीय कार्रवाई के संकेत दिए हैं। अस्पताल परिसर में लैब के बाहर न तो कोई फ्लेक्सी बोर्ड लगाया गया था, न ही मरीजों के लिए जरूरी जानकारी उपलब्ध थी। सीएस ने पहले ही निर्देश दिया था कि जानकारी देने वाले फ्लेक्स लगाए जाएं, लेकिन आदेशों की खुलेआम अवहेलना की जा रही है। स्वास्थ्य सेवा की लचर व्यवस्था और जिम्मेदारों की उदासीनता ने आम जनता की परेशानी और गुस्से को बढ़ा दिया है। अब देखना होगा कि क्या इस बार सिर्फ चेतावनी दी जाएगी या वास्तव में सख्त कार्रवाई होगी।

दो जगहों पर छापेमारी, विदेशी शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

मोतिहारी। तुरकौलिया थाना क्षेत्र अंतर्गत रघुनाथपुर माई स्थान और बस स्टैंड के पास पुलिस ने छापेमारी कर दो बाइक सहित भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की है। इस दौरान दो तस्कर भी पुलिस के हत्थे चढ़े। गिरफ्तार तस्करों की पहचान रघुनाथपुर चमड़ा गोदाम निवासी अमित कुमार और हरसिद्धि के घोघराहा बैरिया निवासी कुणाल सिंह के रूप में हुई है। दोनों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पहली कार्रवाई – माई स्थान से गिरफ्तार: पुलिस को सूचना मिली थी कि माई स्थान के समीप एक स्कूटी सवार व्यक्ति शराब की बिक्री की फिराक में है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को देखते ही स्कूटी सवार भागने लगा, जिसे खदेड़ कर पकड़ा गया। तलाशी के दौरान बोरे में छुपाकर रखी गई विदेशी फ्रूटी शराब की 72 पीस बोतलें बरामद की गईं।

दूसरी कार्रवाई – बस स्टैंड से गिरफ्तारी: बस स्टैंड के समीप एक अन्य युवक पुलिस को देख बाइक से भागने लगा। पुलिस ने पीछा कर उसे भी पकड़ लिया। उसके पास मौजूद पिठ्ठू बैग की तलाशी में विभिन्न ब्रांड की 15 पीस बियर की बोतलें बरामद की गईं। थानाध्यक्ष अलका कुमारी ने बताया कि दोनों तस्करों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज की गई है तथा दोनों की बाइक भी जब्त की गई है। शराब तस्करी पर पुलिस की लगातार कार्रवाई जारी है।

डॉ.एसकेएस महिला महाविद्यालय में एकदिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के भवानीपुर जिरात स्थित डॉ. श्री कृष्ण सिन्हा महिला महाविद्यालय में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास तथा महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में "नई शिक्षा नीति 2020 और भारतीय ज्ञान परंपरा" पर रविवार को एक भव्य कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम का प्रारंभ एनसीसी कैडर्स द्वारा 'गॉड ऑफ ऑनर' देकर किया गया। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर से आगत मुख्य अतिथि -सह- उद्घाटनकर्ता कुलपति प्रो. (डॉ.) दिनेश चन्द्र राय तथा स्थानीय विधायक प्रमोद कुमार के कर कमलों से महाविद्यालय के महेश्वर सिंह द्वारा दिए गए ओपन जिम, भारतीय ज्ञान परंपरा कक्ष, स्नातकोत्तर मनोविज्ञान एवं गृह विज्ञान भवन, सोलर प्लांट और कॉन्फ्रेंस हॉल का नाम बदलकर 'अटल भवन' का उद्घाटन भी किया। कार्यशाला का उद्घाटन दीपप्रज्ज्वलन के साथ किया गया। दीपप्रज्ज्वलन में कुलपति, महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) पंकज कुमार, विधायक प्रमोद कुमार, राजेश्वर कुमार, प्रोफेसर विजय कुमार सिंह ने मिलकर इसे संपन्न किया। महाविद्यालय प्राचार्य ने अतिथियों का स्वागत भाषण से किया। छात्रा अनुप्रिया द्वारा सरस्वती वंदना से माता सरस्वती का अह्वान कर कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया। इसके बाद विश्वविद्यालय कुलगीत से वातावरण को सुरभित सुरमई बनाकर अतिथियों का सम्मान महाविद्यालय प्राचार्य ने किया। विषय प्रवर्तन डॉ. राजेश्वर कुमार (राष्ट्रीय सहसंयोजक शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली) ने कार्यशाला का प्रारंभ किया। उन्होंने कहा कि प्रारंभ में महिलाओं का कॉलेज जाना इतना सरल ना था लेकिन महिला महाविद्यालय की स्थापना के साथ में सरल हुआ। महिला महाविद्यालय की भूमिका पर चर्चा की भारतीय ज्ञान परंपरा की पुनः स्थापना की क्यों आवश्यकता है ? इस पर प्रकाश डाला शिक्षा के सामाजिक बदलाव को भी अपने वक्तव्य में शामिल किया। सरला बिरला विश्वविद्यालय रांची के डीन प्रोफेसर (डॉ.) विजय कुमार (क्षेत्र संयोजक शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास) ने भारतीय ज्ञान परंपरा तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर अपने विचार रखें। उन्होंने कहा कि भारत विश्व गुरु था नालंदा, तक्षशिला विश्वविद्यालय की चर्चा की। शिक्षा का भारतीयकरण की बात कही। इस देश की शिक्षा देशानुकूल हो शिक्षा की आजादी ही नई शिक्षा नीति 2020 है। नगर विधायक प्रमोद कुमार ने शिक्षा के इस बदलाव को सराहते हुए परंपरा से शिक्षा को जोड़ने पर अपने विचार अनिव्यक्त किया। आज श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म दिवस भी है। बच्चों के बीच संविधान को पढ़ाने की बात भी कहीं। अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा सर्व शिक्षा अभियान लागू करने की बात बताई। सर्व शिक्षा अभियान भारतीय संस्कृति के अनुसार होनी चाहिए। इसी में भारत का पूर्ण विकास है। कुलपति प्रो. (डॉ.) दिनेश चन्द्र राय ने बहुत ही विस्तार से भारतीय ज्ञान परंपरा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति में इसके महत्व को प्रतिपादित किया। भारतीय ज्ञान परंपरा उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में भारतीय ज्ञान परंपरा अपनी शिक्षा तथा अपनी महत्ता के कारण इसका परचम लहरा रहा है। उन्होंने बताया कि भारतीय कृषि हमारी रीड है।भारत कृषि प्रधान देश है। सोलर पावर की बात बताएं। शौर्य ऊर्जा हमारे देश में वैकल्पिक स्रोत है। हमारी अपनी वास्तविकता को छोड़कर हम अंग्रेजों का अंधानुकरण कर रहे हैं। इस अन्धानुकरण से बचना होगा। हमारे पास जो प्राकृतिक संसाधन उपलब्ध है, उन्हीं से जुड़कर हमें काम करना होगा। हमें अपने घर परिवार में अपने बच्चों में यह भी देखना होगा, उनकी जो बनने की लालसा है उसे पर जोर देना होगा, ना कि हम जो चाहते हैं इस बात को उनको सीखना होगा। देश को हर क्षेत्र में विकास की आवश्यकता है। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अभय कांत श्रीवास्तव (प्रांत सहसंयोजक ,शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास उत्तर बिहार) किया। महाविद्यालय के राजनीति शास्त्र विभाग के डॉ. विपिन दुबे के पुस्तक का विमोचन किया गया। महाविद्यालय के शिक्षकों में डॉ. किरण कुमारी, डॉ. कल्पना सिंह, डॉ. नीतू , डॉ.मो. इरशाद आलम, डॉ.कुमारी रोशनी विश्वकर्मा, डॉ. दीपमाला श्रीवास्तव, डॉ. अर्पणा, कुमारी रंजना, डॉ. प्रीति कुमारी, डॉ. अंजली कुमारी, डॉ. अल्फिया नूरी, डॉ. मनोरमा राय, डॉ. विपिन दुबे, डॉ. सोनी कुमारी, डॉ. प्रियंका कुमारी, डॉ. नीतू कुमारी, डॉ. प्रीति राज, डॉ. शिवांगी सिंह तथा शिक्षकेत्तर कर्मचारियों में लवली सिंह, भास्कर गुप्ता, अमित कुमार, अमन कुमार, निहाल कुमार ,प्रकाश कुमार पांडे, ज्ञान प्रकाश कुमार, विकास कुमार, राघवेंद्र कुमार,नीलम, संतोष कुमार चौबे, अभय कुमार मिश्रा तथा छात्राओं की ओर से प्रीती, ज्योति, रश्मि, संगीता, विभा, चांदनी, नीतू सहित अन्य ने मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

धर्म में देवशयनी एकादशी को माना गया है बेहद पुण्यदायीः पुजारी सुधीर पांडे

बीएनएम। मोतिहारी

धर्म में देवशयनी एकादशी को बेहद पुण्यदायी माना गया है। माना जाता है कि इस दिन व्रत व विधिपूर्वक पूजन करने से जातक सभी प्रकार के पापों से मुक्त हो जाता है। इस दिन से भगवान विष्णु विश्राम करते हैं और पृथ्वी का कार्यभार भगवान शिव को सौंप देते हैं। भगवान विष्णु की विधिवत पूजा करने के साथ व्रत रखें। इसके साथ ही पूजा के दौरान हरिशयनी एकादशी की इस व्रत कथा का पाठ अवश्य करें। इससे मनवांछित फल की प्राप्ति होती है। उक्त प्रवचन देवराहा बाबा गुरुकुल आश्रम में देवशयनी एकादशी के अवसर पर आयोजित 24 घंटे के अष्टयाम के शुभ अवसर पर पुजारी सुधीर पांडे ने उपस्थित भक्तों को बताया। आश्रम सचिव डॉक्टर जय गोविंद प्रसाद ने बताया कि प्रत्येक महीने के एकादशी के तरह इस एकादशी के सेवा सहयोगी आनंद कुमार ने सपत्नी समस्त पूजन किया और राकेश कुमार की मंडली के द्वारा हरे राम नाम संकीर्तन 24 घंटे तक आयोजित हुआ। कल द्वादशी के सुबह आश्रम द्वारा महाप्रसाद का आयोजन किया गया है। मौके पर आरती और हवन पूजन आश्रम अध्यक्ष विनय कुमार शर्मा के द्वारा किया गया। उक्त अवसर पर सह सचिव राम भजन, कार्यक्रम संयोजक अजय कुमार, रंजीत कुमार, दिलीप केसरी, चंद्रशेखर प्रसाद, कन्हैया प्रसाद, अशोक कुमार सिंह, रंजन कुमार, पप्पू कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

रोटरी मोतिहारी लेक टाउन अध्यक्ष बने राजीव कुमार राजू व सचिन कुमार गौरव

बीएनएम। मोतिहारी

रोटरी मोतिहारी लेक टाउन का पदस्थापना समारोह शनिवार की शाम नगर के एक होटल में संपन्न हुआ। उक्त कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि नगर विधायक प्रमोद कुमार उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के तौर पर रोटरी के भूतपूर्व जिला गवर्नर संजीव कुमार ठाकुर एवं एजी संजय जयसवाल ने समारोह की शोभा बढ़ाई। रोटरी मोतिहारी लेक टाउन की नई कार्यकारिणी टीम का इंस्टालेशन समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद अतिथियों का स्वागत सत्कार हुआ। पिछले सत्र की कार्यकारिणी टीम के अध्यक्ष रोहित गुप्ता एवं सचिव प्रियंका सरकार द्वारा अपने कार्यकाल में किए गए तमाम सामाजिक कार्यों का लेखा-जोखा पेश किया। पिछले सत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए वर्ष के सर्वश्रेष्ठ रोटेरियन के रूप में विश्वजीत जायसवाल को प्रतीक चिन्ह दिया गया तथा विभिन्न क्षेत्र में कार्यों के लिए पुरस्कृत किया गया। इस सत्र में क्लब को रोटरी जिला एवं विश्व स्तर पर आठ अवार्ड प्राप्त हुए, इसके पश्चात नए सत्र यानी 2025 -26 के नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजीव कुमार राजू एवं सचिव कुमार गौरव ने पिछले सत्र के अध्यक्ष और सचिव से कॉलर एक्सचेंज के साथ पदभार संभाला। नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं सचिव ने आगामी दिनों में आयोजित जनकल्याण कार्यों की घोषणा की। इस मौके पर संजीव ठाकुर द्वारा रोटरी मोतिहारी लेक टाउन में कुछ नए चेहरों को सदस्यता दिलाई गई जिन में प्रमुख- संजीव ठाकुर ने दिवंगत रोटेरियन गोपाल खेमका को श्रद्धांजलि देते हुए बताया कि रोटरी एक परिवार है जो मिलकर समाज कल्याण का काम करता है। वहीं विधायक व मुख्य अतिथि ने बताया कि यह केवल पदभार का हस्तांतरण नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और समाज के प्रति नई ऊर्जा के संकल्प का क्षण है। एजी संजय जयसवाल ने भी सभा को संबोधित किया। आगत अतिथियों का स्वागत डॉक्टर आलोक कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन सच्चिदानंद सिंह ने दिया। आदित्य कुमार सिंह ने आए हुए मेहमानों का उपस्थित बताया अधिवक्ता राकेश कुमार सिन्हा ने मंच का सफल संचालन किया। अन्त में रोटरी के पूर्व गवर्नर गोपाल खेमका जिनकी हत्या एक दिन पहले बदमाशों द्वारा कर दी गई उनके लिए 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के सभी सदस्यों द्वारा सराहनीय योगदान दिया गया।

मैत्री पुल पर एसएसबी पोस्ट निर्माण का विरोध

भारत-नेपाल विश्व मैत्री संघ वाइस प्रेसिडेंट प्रवीण मैनाली ने जताई आपत्ति

बीएनएम। मोतिहारी

भारत-नेपाल सीमा पर स्थित मैत्री पुल पर एसएसबी (सशस्त्र सीमा बल) पोस्ट के निर्माण को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। नेपाल भारत विश्व मैत्री संघ के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट प्रवीण मैनाली ने हाल ही में मैत्री पुल का दौरा किया और भारत के कस्टम तथा इमीग्रेशन विभाग के अधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मैत्री पुल पर बने एसएसबी पोस्ट का कड़ा विरोध जताते पत्रकारों से कहा कि मैत्री पुल 'नो मेंस लैंड' पर स्थित है और वहां किसी भी तरह का निर्माण अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। उन्होंने बताया कि पैदल आवाजाही के रास्ते पर एसएसबी पोस्ट बना दिया गया है, जिससे आम लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आशंका जताई कि इससे दोनों देशों के बीच दशकों पुराने मैत्री संबंधों में दरार आ सकती है। प्रवीण मैनाली ने यह भी कहा कि भारत और नेपाल का रिश्ता हमेशा से बेटी-रोटी का रहा है और दोनों देशों ने सदैव मित्रता को प्राथमिकता दी है लेकिन इस प्रकार का निर्माण कार्य आपसी संबंधों को नुकसान पहुंचा सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही मैत्री पुल से एसएसबी पोस्ट नहीं हटाया गया, तो उनकी संस्था भारत सरकार से इस संबंध में भारतीय दूतावास के माध्यम से शिकायत दर्ज कराएगी। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी एसएसबी द्वारा इसी स्थान पर पोस्ट का निर्माण किया गया था, जिसे विरोध के बाद हटा दिया गया था। अब पुनः उसी स्थान पर पोस्ट बनाना दुर्भाग्यपूर्ण और आपत्तिजनक है। नेपाल भारत विश्व मैत्री संघ ने इस मुद्दे को गंभीर बताते हुए जल्द समाधान की मांग की है, ताकि दोनों देशों के नागरिकों के बीच पारंपरिक संबंधों में कोई बाधा न आए।

श्रावणी मेला में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए चलेगी रक्सौल-देवघर स्पेशल ट्रेन

सप्ताह में तीन दिन चलेगी ट्रेन, 13 जुलाई से 8 अगस्त तक होगा संचालन

बीएनएम। मोतिहारी

श्रावणी मेला के अवसर पर बाबा रावणेश्वर महादेव को जलाभिषेक के लिए देवघर जाने वाले श्रद्धालुओ की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पूर्व मध्य रेलवे ने विशेष ट्रेन सेवा की घोषणा की है। इसमें रक्सौल और देवघर के बीच एक श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन सप्ताह में तीन दिन चलाई जाएगी। पूर्व मध्य रेलवे, हाजीपुर के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चन्द्र ने जानकारी दी कि गाड़ी संख्या 05545/05546 रक्सौल-देवघर-रक्सौल श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, बरौनी, मोकामा, किउल, जमालपुर व भागलपुर के रास्ते चलेगी। यह ट्रेन 13 जुलाई से 08 अगस्त तक रविवार, मंगलवार और शुक्रवार को रक्सौल से सुबह 05:15 बजे रवाना होकर शाम 04:50 बजे देवघर पहुंचेगी।वापसी में गाड़ी संख्या 05546 देवघर-रक्सौल श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन इन्हीं दिनों में शाम 05:50 बजे देवघर से खुलकर अगले दिन सुबह 06:00 बजे रक्सौल पहुंचेगी। मार्ग में यह ट्रेन सभी प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी ताकि यात्रियों को सुविधा मिल सके। इसके अतिरिक्त, हावड़ा-रक्सौल-हावड़ा मिथिला एक्सप्रेस (गाड़ी सं. 13021/13022) में श्रावणी मेला अवधि के दौरान एक अतिरिक्त सामान्य श्रेणी की कोच जोड़ी जाएगी। यह निर्णय यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए लिया गया है।रेलवे प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि यात्रा के दौरान नियमों का पालन करें और सुविधाओं का लाभ उठाएं।

मोतिहारी एसपी के नाम से फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर साईबर ठगी करनेवाले 2 अपराधी राजस्थान से गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

साइबर थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मोतिहारी एसपी स्वर्ण प्रभात के नाम से फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर विभिन्न लोगों से पुलिस अधीक्षक के नाम पर साईबर ठगी करने वाले दो साइबर अपराधी को राजस्थान के अलवर से गिरफ्तार किया है। इस संदर्भ में जानकारी देते साइबर डीएसपी अभिनव पराशर ने बताया कि इस आशय की जानकारी मिलने के बाद मोतिहारी साईबर थाना में मामला दर्ज किया गया। साथ ही कांड के उद्‌भेदन के लिए एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर टीम का गठन किया गया। टीम को तकनीकी एवं वैज्ञानिक अनुसंधान के आधार पर इसका सूत्र राजस्थान के अलवर के साईबर गैंग से जुड़ा पाया, जिसके बाद टीम ने राजस्थान पुलिस के सहयोग से छापेमारी करते हुए मामले में संलिप्त 02 साईबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। जिनकी पहचान अभिनव मैसी उर्फ टुकटुक, पिता संदीन मैसी,साकिन 138 फैमिली लाइन अलवर (राजस्थान) व आरिफ खान, पिता खैराती खान, साकिन 138 फैमिली लाइन कच्ची बस्ती स्कीम न०-03, अलवर के रूप में हुई है। गिरफ्तार अभियुक्तो ने कांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। पुलिस ने इनके पास दो मोबाइल फोन जिसमे एक चोरी का है।बैंक पासबुक-03 बार कोड-04,पैन कार्ड-2,आधार कार्ड 03,एटीएम-06,चेकबुक-01 सिम-04, नया सिम कार्ड-05 बरामद किया है। इनसे आवश्यक पूछताछ के बाद इस कांड में संलिप्त अन्य साईबर अपराधियों की पहचान कर इनके विरूद्ध छापेमारी की जा रही है। छापेमारी टीम में साइबर थाना के डीएसपी अभिनव पराशर के अलावे इंस्पेक्टर राजीव कुमार सिंहा,मनीषकुमार एएसआई शिवम सिंह,सिपाही बलराम चौधरी एवं चालक सिपाही आनंद कुमार शामिल थे।

बिहार के मुन्ना कुमार अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में रेफरी

बीएनएम। मोतिहारी

नेपाल के पोखरा में चल रहे तीन दिवसीय 8वीं एशिया कप अंतरराष्ट्रीय ताईक्वांडो प्रतियोगिता में बिहार से मुन्ना कुमार ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए पहली बार इस अंतरराष्ट्रीय मैच में रेफरी बने । यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता दिनांक 27 से 29 जून तक नेपाल में आयोजन किया गया था जिसमें नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, भारत एवं अन्य देशों से लगभग 500 खिलाड़ियों ने भाग लिया था। इसमें वर्ल्ड ताईक्वांडो के नए नियमों पर आधारित इलेक्ट्रॉनिक सेंसर पर सभी खिलाड़ियों का मैच करवाया गया।

मुहर्रम पर्व शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न, सुरक्षा व्यवस्था रही चाक-चौबंद

बीएनएम। तुरकौलिया/हरसिद्धि

मुहर्रम पर्व शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया। सेमराटोला, परशुरामपुर, सरिसवा, डबरा, कोनहवा, औरैया, करमवा, सेवनिया, कवलपुर, बलही, संसकरसैया, माधोपुर आदि गांव इलाके से लकड़ी का करतब दिखाते जुलूस की शक्ल में हजारों लोग करबला पहुंचे थे। करबला पहुंचकर अलग-अलग इलाके के लोग अपना अपना टोली बनाकर शेरों-शायरी कहते हुए लकड़ी का करतब दिखाए। लकड़ी खेलने के बाद सभी अपने अपने घर घर लौट गए। जुलूस को नियंत्रित करते हुए जुलूस के साथ कांग्रेसी नेता अनवर आलम अंसारी, समाजसेवी कमरूद्दीन अंसारी, मुखिया एजाज अहमद, सुनील टाइगर, बदरी पासवान, पूर्व मुखिया परवेज आलम, पूर्व मुखिया कमरूज्जमा, डा. अफजल आलम, डा. बेबी आलम, अधिवक्ता फिरोज आलम, कलाम अंसारी, शराफत अहमद, आमान अहमद, जमील अख्तर, रूस्तम आलम, अजय पटेल, सरपंच मनोज कुमार आदि भीड़ के साथ चल रहे थे। वहीं पुलिस प्रशासन भी मुस्तैद था। सर्किल इंस्पेक्टर मुन्ना कुमार, पुलिस निरिक्षक प्रकाश कुमार, सुरेश कुमार यादव, थानाध्यक्ष सुनील कुमार, अपर थानाध्यक्ष रवि रंजन कुमार, एसआई रामप्रवेश सिंह, मंजय कुमार, सोनी कुमारी, वीणा देवी, लच्छू उरांव, प्रिति पाल, बेधा भारती, एएसआई कन्हैयालाल, संतोष पटेल, पीएसआई सुबोध कुमार सहित पुलिस बल जुलूस और ट्राफिक को नियंत्रित करते दिखे। शांतिपूर्ण माहौल में पर्व संपन्न कराने को लेकर प्रशासन और समाजसेवी व जनप्रतिनिधियों ने एक दुसरे को बधाई दिया है।

हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के यादवपुर, पानापुर, रंजीता, हरसिद्धि, पकड़िया, सोनबरसा, बैरियाडी, भादा, मानिकपुर, उज्जैन लोहियार मठलोहियार, मेहता टोला, पठान पत्ती सहित दर्जनों स्थानों पर मुहर्रम का ताजिया जुलूस शांतिपूर्ण माहौल में निकाला गया।

जुलूस में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, लेकिन पुलिस प्रशासन की सतर्कता के कारण कहीं से किसी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। हरसिद्धि थाना अध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि क्षेत्र में मुहर्रम को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद रहा। उन्होंने बताया कि अब तक किसी प्रकार की कोई अनहोनी की सूचना नहीं है और लगातार निगरानी जारी है ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्वक संपन्न हो। जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे। मोतिहारी से अतिरिक्त पुलिस बल मंगवाया गया था, साथ ही जिले के विभिन्न भागों से मजिस्ट्रेटों की भी तैनाती की गई थी। हरसिद्धि थाना क्षेत्र में सभी मजिस्ट्रेट अपने-अपने क्षेत्र में उपस्थित रहकर ताजिया जुलूस की अगुवाई करते नजर आए। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने भी हरसिद्धि थाना क्षेत्र का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। वहीं, स्थानीय पुलिस बल के अलावा जिला से आए दर्जनों दंडाधिकारियों और जवानों की तैनाती के चलते पूरे क्षेत्र में शांति एवं सौहार्द का वातावरण बना रहा। प्रशासन की तत्परता और स्थानीय लोगों के सहयोग से इस बार मुहर्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

हरिशयनी एकादशी के मौके पर पौधारोपण किया गया

बीएनएम

बगहा: नैतिक जागरण मंच वेलफेयर ट्रस्ट के तत्वावधान में रविवार को हरिशयनी एकादशी के शुभ पुण्य मुहूर्त और गुप्त नवरात्रि के समाप्ति अवसर पर हरिशंकरी पौधा (पाकड़ पीपल बरगद) के पौधे का पौधारोपण रोपण का कार्यक्रम सिद्ध पीठ चंडी स्थान रतनमाला बगहा एक परिसर में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि तपेश्वर संबित राउत कमांडेंट 21वीं वाहिनी रहे। सर्व प्रथम पुरोहित सुबोध मिश्रा गांधीनगर ने कमांडेंट और उपस्थित भक्तों के हाथ में फूल और अक्षत लेकर माता की आराधना कराए। तत्पश्चात पौधों की पूजा कराए।उसके बाद पौधारोपण के स्थान की पूजा की गई। दक्षिणा के रूप में पुरोहित सुबोध मिश्र को तेज पत्ता का पौधा प्रदान किया गया। मंदिर के प्रधान पुजारी उमेश मिश्र ने कमांडेंट को माता रानी का आशीर्वाद स्वरूप चुनरी देकर देकर आशीर्वाद दिए। उपस्थित लोगों ने हरिशंकर बीच का पौधा रोपण किए। उसके उपरांत पौधा का वितरण किया गया। पौधे की रक्षा हेतु स्थानीय जगन्नाथ साह को तेज पत्ता का पौधा दिया गया। पौधा की रक्षा के लिए मच्छरदानी की जाली आदि लगाने कुछ राशि प्रदान किया गया इस अवसर पर नैतिक जागरण मंच वेलफेयर ट्रस्ट के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह, अरविंद कुमार सिंह महिला पदाधिकारी शशि पांडेय, समन्वयिक माधवेंद्र पांडे और जयप्रकाश श्रीवास्तव, गिरिंद्र पांडेय ,संजय तिवारी, देव निरंजन दीक्षित ,राकेश तिवारी पवन कुमार गुप्ता नागेन्द्र उपाध्याय अभय पांडेय, रमन मिश्र जैसे दर्जनों सदस्य मौजूद रहे। पौधारोपण के महत्व को बताते हुए सचिव निपु कुमार पाठक ने कहा कि आज हरिशयनी एकादशी है और भगवान विष्णु जो पीपल के रूप में है ,शंकर जो बट वृक्ष के रूप में है तथा ब्रह्मा पाकड़ के रूप में है।

बेतिया लायंस क्लब के 63वें पदस्थापना समारोह में रक्सौल लायंस क्लब ने दी गरिमामयी उपस्थिति

बीएनएम। रक्सौल/बेतिया

लायंस क्लब ऑफ बेतिया के 63वें पदस्थापना समारोह (वर्ष 2025-26) का भव्य आयोजन मंडपम बैंक्वेट हॉल में किया गया, जिसमें लायंस क्लब ऑफ रक्सौल ने सक्रिय भागीदारी कर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। समारोह में डिस्ट्रिक्ट 322 ई के जिलापाल लायन प्रदीप खेतान, जीएलटी प्रथम महिला डिस्ट्रिक्ट लायन रचना खेतान, जिला कैबिनेट सचिव लायन किशन बाजोरिया, पूर्व जिलापाल लायन विजय अग्रवाल, संजय अवस्थी, नंदा गर्ग, जीएमटी लायन इंजीनियर नेहा एस प्रसाद, जीएसटी लायन अंशु अवस्थी सहित कई पदाधिकारी पटना जिले से पहुंचे। कार्यक्रम में नव निर्वाचित अध्यक्ष लायन नंदन कुमार वर्मा, सचिव लायन प्रदीप कुमार एवं कोषाध्यक्ष लायन अर्जुन कुमार समेत सभी कैबिनेट सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। साथ ही बेतिया क्लब की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया। उपस्थित गणमान्य पदाधिकारियों को पुष्पगुच्छ व दोसाला भेंट कर सम्मानित किया गया। रक्सौल लायंस क्लब से अध्यक्ष लायन बिमल सर्राफ के नेतृत्व में सचिव लायन मोहम्मद निजामुद्दीन, कोषाध्यक्ष लायन अमित कुमार, डिस्ट्रिक्ट जोन 19 चेयरपर्सन व मिशन सेतु चेयरपर्सन लायन शंभू प्रसाद चौरसिया, लीडरशिप चेयरपर्सन लायन नारायण रुंगटा, प्रथम उपाध्यक्ष लायन प्रियंका सोनी, एडमिनिस्ट्रेटर लायन साइमन रेक्स, सह कोषाध्यक्ष लायन राजन गुप्ता भी शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान नाश्ते एवं स्वादिष्ट भोजन की उत्तम व्यवस्था की गई थी। समापन लायनिज्म की भावना को सुदृढ़ करने और सामाजिक सेवा कार्यों को गति देने के संकल्प के साथ किया गया। इसकी जानकारी रक्सौल लायंस क्लब के अध्यक्ष सह मीडिया प्रभारी लायन बिमल सर्राफ ने प्रेस को दी।

रक्तदान और मतदान दोनों ही देश सेवा के मजबूत आधार हैं : डीएम

» बाजार समिति से निकाली गई जनजागरूकता रैली

संत निरंकारी मंडल के रक्तदान शिविर में 35 यूनिट रक्त संग्रह

बीएनएम

शिविर में डीएम के समक्ष रक्तदान करते रक्तदाता

लखीसराय शहर के केआरके मैदान स्थल नगर भवन परिसर मे रविवार को संत निरंकारी मंडल द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डीएम मिथलेश मिश्र ने किया, जबकि कटिहार जोन के जोनल इंचार्ज डॉ. बलराम भगत कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। डीएम ने अपने संबोधन में कहा कि "संत निरंकारी मिशन एकमात्र ऐसा संगठन है जो निःस्वार्थ भाव से हमेशा मानव सेवा में संलग्न रहता है।" उन्होंने मिशन के द्वारा रेलवे स्टेशन, छठ घाट व अन्य सार्वजनिक स्थलों पर चलाए गए स्वच्छता अभियानों और जनहित में किए जा रहे कार्यों की सराहना की।इस अवसर पर डॉ. बलराम भगत ने कहा, "दान अनेक प्रकार के होते हैं—भूमि दान, अन्न दान, पुत्र दान—लेकिन रक्तदान सबसे बड़ा 'महादान' है, जो न केवल दूसरों को जीवन देता है, बल्कि स्वयं को भी स्वस्थ रखता है।"रक्तदान से पूर्व बाजार समिति से नगर भवन तक जनजागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं युवाओं ने भाग लिया।शिविर में कुल 35 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया।डीएम ने रक्तदान के साथ मतदान को भी बताया नागरिक कर्तव्य रक्तदान शिविर के मंच से ही जिलाधिकारी मिथलेश मिश्र ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की जानकारी भी लोगों से साझा की। उन्होंने कहा कि "रक्तदान और मतदान दोनों ही देश सेवा के मजबूत आधार हैं। जहां रक्तदान जीवन बचाता है, वहीं मतदान लोकतंत्र को जीवित रखता है।"उन्होंने बताया कि बिहार में आगामी नवंबर माह में विधानसभा चुनाव होने प्रस्तावित हैं। इसके तहत भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष पुनरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें BLO (बूथ स्तर अधिकारी) लोगों के घर-घर जाकर फॉर्म-6 दे रहे हैं और दस्तावेजों के साथ उनका संकलन कर रहे हैं। डीएम ने यह स्पष्ट किया कि "जिन नागरिकों का नाम 2003 की मतदाता सूची में है, उन्हें किसी दस्तावेज की आवश्यकता नहीं है। वे केवल हस्ताक्षर करके फॉर्म वापस दे सकते हैं।कार्यक्रम में सूचित कुमार, अमरजीत प्रजापति, संजय कुमार, बिपिन सिंह, मनीष कुमार, रीना बहन जी, सीता बहन जी एवं सुबेलाल महासा सहित अनेक लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया।जिलाधिकारी ने अपने वक्तव्य के समापन पर कहा, "रक्तदान, मतदान और समाज सेवा—ये तीनों ही राष्ट्र निर्माण के आधार स्तंभ हैं। हर नागरिक को इसमें सहभागी बनना चाहिए।"

गंडक नदी कटाव को देख ग्रामीण किया प्रदर्शन

» स्थानीय सांसद और विधायक के खिलाफ नारेबाजी

बीएनएम

बेतियाः बैरिया प्रखंड क्षेत्र के उत्तरी पटजिरवा पंचायत के पूजहां गंडक नदी घाट पर गंडक नदी के कटाव को देख ग्रामीणों में आक्रोश देखा गया।आक्रोशित ग्रामीणों ने स्थानीय सांसद व विधायक के खिलाफ नारेबाजी किया। लोगों ने जनप्रतिनिधियों के विरोध में नारेबाजी करते हुए कहा की हर साल हम लोग गंडक के कटाव से परेशान हो रहे हैं। परंतु जन प्रतिनिधि केवल आश्वासन देकर चुनाव के समय वोट की फसल काटते आ रहे हैं। ग्रामीणों ने बताएं कि हर साल आश्वासन पत्र और चंपारण तटबंध की मजबूती के बारे में कहा जाता है। परंतु हाल ढाक के तीन पात वाली रहती है। गुस्साए लोगों ने कहा कि इस बार अगर चंपारण तटबंध ध्वस्त हुआ तो सांसद और विधायक के विरोध में जमीनी स्तर पर मोर्चा खोला जाएगा। यही नहीं किसी भी चुनाव में वोट का बहिष्कार किया जाएगा अबकी बार चंपारण तटबंध अगर ध्वस्त होता है तो स्थानीय सांसद और विधायक को हम लोग वोट नहीं करेंगे। ग्रामीणों का हंगामा के बाद पहुंचे बेतिया लोकसभा के सांसद डॉक्टर संजय जायसवाल एवं नौतन विधानसभा से विधायक नारायण प्रसाद ने आक्रोशित लोगों को शांत कराया। उन्होंने अभियंताओं को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि कार्य को अच्छी तरीके से कराया जाए।संजय जायसवाल ने कहा कि इसकी सूचना डीएम को दे दी गई है। बचाव रोधी कार्य में अनियमित व लापरवाही करने वाले कर्मियों पर कार्रवाई की जाएगी मौके पर आक्रोशित ग्रामीण उपेंद्र यादव, ध्रुव शाह,ध्रुव पटेल,दरोगा पटेल, भीम पाण्डेय,आदि उपस्थित थे।

चिकित्सक केवल रोग निवारणकर्ता नहीं बल्कि समाज के लिए एक जीवित आशीर्वाद हैं: संगीत आनंद

» चिकित्सकों को स्वरांजलि सेवा संस्थान ने किया सम्मानित

बीएनएम

बगहाः अंतर्राष्ट्रीय न्यास स्वरांजलि सेवा संस्थान द्वारा आयोजित पांच दिवसीय चलंत सम्मान कार्यक्रम चिकित्सा वरदान और चिकित्सक भगवान का समापन शनिवार की देर शाम सुरजी हेल्थ केयर वाल्मीकि नगर में किया गया। संस्था के मैनेजिंग डायरेक्टर संगीत आनंद एवं राष्ट्रीय अध्यक्षा अंजू देवी ने अंगवस्त्र एवं धार्मिक पुस्तकों से लोकप्रिय चिकित्सक डॉक्टर राजू प्रसाद को तथा अपोलो क्लिनिक पहुंचकर संस्था के कार्यकर्ताओं ने डॉक्टर लक्ष्मण कुमार को सम्मानित किया। चिकित्सकों की क्लीनिक में जाकर संस्थान के सदस्यों ने स्वयं उन्हें अंगवस्त्र एवं धार्मिक पुस्तकों द्वारा सम्मानित किया। यह अभिनव पहल चिकित्सकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और समाज में उनके योगदान को रेखांकित करने हेतु की गई। थरूहट की राजधानी हरनाटांड़ स्थित सुनैना स्मृति सेवा संस्थानके लोकप्रिय ख्याति प्राप्त वरिष्ठ चिकित्सक डॉक्टर कृष्ण मोहन राय ,डॉ. मृत्युंजय कुमार राय, डॉ संजय कुमार एवं ध्रुव नेत्रालय के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर चिंतामणि काजी को सम्मान प्रदान किया गया। बेतिया की महिला चिकित्सक डॉक्टर संजीदा परवीन, आयुष चिकित्सक डॉ. वासुदेव महतो, डॉक्टर संजय कुमार सिंह, डॉक्टर रामायण सिंह, के कार्यों की भी भूरी भूरी प्रशंसा की गई। संस्था की राष्ट्रीय अध्यक्षा अंजू देवी ने कहा कि चिकित्सक समाज के लिए एक जीवंत वरदान हैं, उनका सम्मान करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। रवीश पांडे ने कहा कि चिकित्सा वरदान और चिकित्सक भगवान एक अनूठा चलंत कार्यक्रम है। अभिनेता सोनू चौधरी, कोषाध्यक्ष शिवचंद्र शर्मा, सचिव अखिलानंद, फाइटर जयदेव कुमार, बैकुंठ काजी, वरिष्ठ सदस्य विजय कुमार , गायक नंद महतो, सुमन देवी,और सत्येंद्र सिंह की भूमिका सराहनीय रही।

जयंती समारोह पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

बीएनएम

आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी व क्लब के वालंटियर

जमुई/ झाझा। रविवार को नगर अवस्थित गायत्री ज्ञान मंदिर झाझा के प्रांगण में प्रखर राष्ट्रवादी, राष्ट्रीय एकता और अखंडता के समर्थक श्रद्धेय डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती समारोह पर मेरा युवा भारत जमुई के निर्देशानुसार स्वामी विवेकानंद युथ क्लब झाझा के द्वारा क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कि अध्यक्षता क्लब अध्यक्ष हरिनंदन प्रजापति ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ एबीवीपी छात्र नेता सूरज वर्णवाल, रूपेश भारती, द मिशन संचालक शिव कुमार पांडे,योग शिक्षक धर्मेंद्र कुमार तथा क्लब अध्यक्ष हरिनंदन प्रजापति ने श्रद्धेय डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर किया।डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक महान शिक्षाविद, स्वतंत्रता सेनानी और प्रखर राष्ट्रवादी नेता थे। वे भारत के पहले उद्योग मंत्री बने और उन्होंने देश की आर्थिक नीतियों को दिशा दी। उन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना की, जो आगे चलकर भारतीय जनता पार्टी बनी। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान द्वारपहड़ी गांव के प्रमुख कुमार, द्वितीय स्थान लखनकयारी के सौरभ कुमार तथा तृतीय स्थान बरमसिया के रिया कुमारी ने प्राप्त किया प्रतिभागी को मेडल, पेन,पैड और अन्य पाठ्य सामाग्री से सम्मानित किया गया। मौके पर छात्र नेता सूरज वर्णवाल, रूपेश भारती ने सम्मिलित रूप से कहा कि छात्र जीवन मनुष्य का सबसे महत्वपूर्ण चरण होता है,यह सीखने और चरित्र निर्माण का समय होता है, यही भविष्य की नींव रखता है। मौके पर अभाविप नगर मंत्री नीतीश केशरी, क्लब के वालंटियर प्रिन्स कुमार, अंशिका कुमारी, श्रेया कुमारी, सौरव कुमार, सत्यम पांडे , निशा कुमारी, रवीना कुमारी, विपिन कुमार आदि दर्जनों उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

बिहार के मुन्ना कुमार अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में रेफरी

मोतिहारी। नेपाल के पोखरा में चल रहे तीन दिवसीय 8वीं एशिया कप अंतरराष्ट्रीय ताईक्वांडो प्रतियोगिता में बिहार की राजधानी पटना के मुन्ना कुमार ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए पहली बार इस अंतरराष्ट्रीय मैच में रेफरी बने । यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता दिनांक 27 से 29 जून तक नेपाल के पोखरा में आयोजित किया गया था, जिसमें नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, भारत एवं अन्य देशों से लगभग 500 खिलाड़ियों ने भाग लिया था। आपको बता दे कि मुन्ना कुमार विगत 14 वर्षों से खेल विभाग द्वारा संचालित "किलकारी" जिसका उद्देश्य बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है। खासकर ऐसे बच्चों का जो समाज के आखिरी तबके के ताल्लुकात रखते हों। विदित हो कि किलकारी के अंतर्गत 8 से 16 वर्ष के बच्चों को कंप्यूटर, खेल कूद, सिलाई -बुनाई, ड्राइंग की निःशुल्क ट्रेनिंग दी जाती है। वहां मुन्ना बतौर स्पोर्ट्स कोच बच्चों को पूरी लगन और निष्ठा के साथ बच्चों को प्रशिक्षित कर रहे हैं। इनके द्वारा प्रशिक्षित बच्चे हर वर्ष विभिन्न खेल जैसे- ताईक्वांडो,बास्केट बॉल, चेस, कैरम आदि खेलों में अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपना परचम लहराते हैं तथा अपने देश और राज्य का नाम रौशन करते हैं। किलकारी के कोच मुन्ना ने संवाददाता प्रतीक राजवीर को बताया कि उनके नेतृत्व में विगत वर्ष किलकारी की छात्रा स्नेहा कुमार ने ताईक्वांडो में वेट कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रचा। इनका चयन वर्ल्ड स्कूल गेम्स के लिए भी हुआ था, लेकिन खेल मंत्रालय से कोई कोई जवाब नहीं आने के कारण यह इसमें भाग नहीं ले सकी। यह उपलब्धि हासिल करने वाली यह बिहार की पहली खिलाड़ी बनी। पिछले वर्ष मध्य प्रदेश में आयोजित नेशनल ताईक्वांडो में हरियाणा की अंतरराष्ट्रीय ब्रॉन्ज खिलाड़ी आर्यना ठाकुर से महज कुछ अंकों के चूक के कारण स्नेहा को ब्रॉन्ज से संतोष करना पड़ा। इनके अलावे किलकारी की ही मुस्कान कुमारी और अर्पिता कुमारी ने वर्ष 2023 में ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी ताईक्वांडो टूर्नामेंट में भाग लेकर बिहार का मान बढ़ाया। इसका श्रेय कोच मुन्ना संस्था की निर्देशक ज्योति परिहार को देते हुए बोले कि मैडम बच्चों के विकास के लिए हर संभव मदद करती हैं। कोच मुन्ना ने कहां की पोखरा में आयोजित खेल समारोह में ताईक्वांडो के नए नियमों पर आधारित इलेक्ट्रॉनिक सेंसर पर सभी खिलाड़ियों का मैच करवाया गया जो हमलोगों के लिए एक नया अनुभव था। मुन्ना कुमार की इस उपलब्धि से किलकारी की पूरी टीम और बिहार ताईक्वांडो संघ ने उनको बधाई दी, उनका सम्मान किया तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

मेहसी थाना क्षेत्र के कनकटी गांव में दो पक्षों के बीच मारपीट, एक युवक की मौत, एक घायल

मोतिहारी। मेहसी थाना क्षेत्र के कनकटी गांव में रविवार को पुराने विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई। इस घटना में अजय यादव नामक युवक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए दो लोगों को हिरासत में लिया है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। बताया जा रहा है कि करीब 15 दिन पहले भी दोनों पक्षों के बीच आपसी विवाद हुआ था, जिसमें मेहसी थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने बताया कि उस मामले की जांच अभी चल ही रही थी कि यह ताजा घटना सामने आई। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से गांव में पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई है।

प्रेमी प्रेमिका ने भाग कर की शादी

बेतियाः बैरिया थाना क्षेत्र के एक गांव से प्रेमी प्रेमिका ने भाग कर मंदिर में शादी कर लिया जिसका एक वीडियो वायरल कर जानकारी दिया।वायरल वीडियो में प्रेमिका ने बताया कि मैं डॉक्टर जितेंद्र चौधरी की लड़की हूं।मेरा नाम अनुराधा कुमारी है।मैं अपने मर्जी से भाग कर अपने प्रेमी निप्पू कुमार से शादी कर लि हूं।बैरिया थाना के पुलिस पदाधिकारी से अपील है कि मेरे पति एवं उनके परिवार वालों को परेशान नहीं किया जाए,यह झूठा मुकदमा में नहीं फसाया जाए।वहीं इस सम्बन्ध में शुक्रवार के दोपहर बैरिया थाना अध्यक्ष अंजेश कुमार ने बताया कि मामले में लड़की के मां के आवेदन पर पुलिस ने प्राथमिक की दर्ज कर लिया है। दिए आवेदन में लड़की के मां ने पुलिस को बताएं कि मेरे लड़की को बंदूक के नोक पर बोलेरो में अपहरण कर लिया गया है।

पुलिस ने देशी कट्टा के साथ दो युवक को पकड़ा

केसरिया। पुलिस ने देशी कट्टा के साथ दो युवकों को पकड़ा है। पकड़ा गया युवक अमन बैठा व बिट्टू बैठा है। इनके पास से एक देशी कट्टा व एक कारतूस बरामद की गई है। थानाध्यक्ष उदय कुमार ने बताया कि एक युवक की मुंह में कारतूस रख सोशल मीडिया पर तस्वीर वायरल हुई थी। छानबीन में उक्त तस्वीर में दिख रहा युवक की पहचान अमन बैठा के रूप में की गई। मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए अमन के घर छापेमारी की गई। जहां से अमन को गिरफ्तार किया गया। इसके पास से एक देशी कट्टा व एक कारतूस बरामद की गई। उन्होंने बताया कि अमन पर पूर्व में मारपीट मामले में एक मामला दर्ज है। इसकी निशानदेही पर उसके एक साथी बिट्टू बैठा को भी गिरफ्तार किया गया। इन दोनों से आवश्यक पूछताछ की जा रही है।

शांतिपूर्ण सम्पन्न हुआ मुहर्रम का पर्व

केसरिया। मुहर्रम पर्व के अवसर पर रविवार को प्रखंड क्षेत्र के कई गांव से ताजिया जुलूस निकाला गया। बथना पंचायत से निकली जुलूस विभिन्न मार्ग से होते हुए केसरिया पहुंची। जिसमें हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए। जुलूस में शामिल युवाओं के द्वारा एक से बढ़कर एक करतब बाजी का प्रदर्शन किया गया। वहीं केसरिया के भी कई अखाड़ों के द्वारा जुलूस निकाला गया। सभी जुलूस केसरिया के विभिन्न मार्गो से होकर केसरिया पीतांबर चौक पहुंची। जहां से सभी एक साथ होकर केसरिया स्थित कर्बला पहुंची। भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन भी लगातार गस्त लगा रही थी। वहीं सभी चौक चौराहों एवं अन्य धार्मिक स्थलों के पास पुलिसबल को तैनात किया गया था। केसरिया थानाध्यक्ष उदय कुमार विधि-व्यवस्था को लेकर सक्रिय दिखे। वहीं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर इंस्पेक्टर नीरज कुमार, एसआई रामशरण पासवान, एसआई बादशाह चौहान, एसआई मनीष कुमार, एसआई अनिता कुमारी सहित भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद थे। इधर, बिजधरी थाना क्षेत्र बिजधरी में भी ताजिया जुलूस निकाला गया। जहां सुरक्षा व्यवस्था को लेकर थानाध्यक्ष विकास आनन्द पुलिस बल के साथ मौजूद थे।

मुजफ्फरपुर में बिस्किट एजेंसी से 2 लाख की लूट

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में गन पॉइंट पर कर्मचारियों को बंधक बनाकर बिस्किट एजेंसी से 2 लाख की लूट हुई है। अपराधियों ने सभी स्टाफ के मोबाइल को भी लूट लिया। जिसके चलते वारदात के डेढ़ घंटे बाद पुलिस को सूचना मिली। घटना नगर थाना क्षेत्र के अंडी गोला की है। एजेंसी के स्टाफ सुशील ने बताया, 'शनिवार रात 8 बजे के करीब हमलोग गोदाम में अपना काम कर रहे थे। इस बीच चार अपराधी पहुंचे। हेलमेट और मास्क से सभी ने अपना फेस कवर करके रखा था। हथियार के बल पर बंधक बना लिया। काउंटर से 2 लाख रुपए कैश निकाल लिया। हमलोगों को दीवार की तरफ मुंह करके खड़ा कर दिया। किसी का चेहरा नहीं देख पाया। विरोध करने पर मारपीट भी किया। कैश लूटने के बाद शटर गिराकर अपराधी भाग निकले।

शाब्दिक जोड़ घटाव पर विवाद

लोकतंत्र में संविधान किसी देश की आत्मा का दस्तावेज होता है। इसमें दर्ज एक-एक शब्द सरकार के लिए अपनी जनता के साथ व्यवहार के तौर-तरीके तय करने वाला होता है। भारत में संविधान को अत्यंत पवित्र माना जाता है, और इसकी प्रस्तावना तक में कोई शाब्दिक जोड़ घटाव पर भी विवाद हो सकता है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मानें तो संविधान की प्रस्तावना परिवर्तनशील नहीं है, लेकिन भारत में आपातकाल के दौरान इसे बदल दिया गया। उपराष्ट्रपति ने एक पुस्तक विमोचन समारोह में इस कार्य को संविधान निर्माताओं की बुद्धिमत्ता के साथ विश्वासघात और नासूर की संज्ञा दी। ज्ञात हो कि 1976 में कांग्रेस सरकार ने प्रस्तावना में 42वें संविधान (संशोधन) के जरिए 'समाजवादी, 'धर्मनिरपेक्ष और 'अखंडता शब्द जोड़े थे। उपराष्ट्रपति के अनुसार जोड़े गए शब्द उथल-पुथल पैदा कर सकते हैं। यह सनातन की भावना का अपमान है। उपराष्ट्रपति के अनुसार, भारत के अलावा किसी दूसरे देश में संविधान की प्रस्तावना में बदलाव नहीं किया गया। भारत में यह काम तब किया गया जब विपक्ष के प्रमुख नेता जेल में थे और इसका कोई औचित्य नहीं था। सबसे अहम बात जो उन्होंने की वह यह कि हमें इस पर विचार करना चाहिए। धनखड़ की यह टिप्पणी ऐसे वक्त में आई है जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) नेता दत्तात्रेय होसबोले ने इसी हफ्ते संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए 'समाजवादी और 'धर्मनिरपेक्ष शब्दों की समीक्षा का आह्वान किया है। आरएसएस का कहना है कि ये शब्द कभी भी अंबेडकर द्वारा तैयार संविधान का हिस्सा नहीं थे। होसबोले के बयान से राजनीतिक विवाद की स्थिति पैदा हो गई है। संघ का तर्क है कि होसबोले का मंतव्य संविधान की 'मूल भावना को बहाल करने के बारे में है। यहां सवाल उठता है कि 42वें संविधान संशोधन के लगभग 59 साल बाद इस बारे में विवाद का क्या मतलब है? संविधान की प्रस्तावना इसकी मूल भावना को कतई कमजोर नहीं कर सकती। देखा जाए तो सरकार जनता की भलाई के रास्ते पर ही तो चलती है। कोई राजनीतिक विचारधारा इन शब्दों से सहमत हो या न हो लेकिन काम तो इन्हीं सिद्धांतों के आधार पर ही करती है।

क्षमा मांगना या देना भावनात्मक और मानसिक कल्याण का एक पहलू है जो सद्भाव और शांति स्थापित करने में मदद करता है

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

(वैश्विक क्षमा दिवस 7 जुलाई 2025)

वैश्विक स्तरपर भारतीय सभ्यता,संस्कृति, मूल्यों मर्यादा और आध्यात्मिकता की सजगता दुनिया में कहीं नहीं है हमारी सभ्यता के अनेक मोतियों में से एक माफ़ी मांगना या देना है, बड़े बुजुर्गों का कहना है जो माफ़ करता है पुरानी बातों को भूल जाता है वही सबसे बड़ा दानी है क्योंकि क्षमादान जैसा कोई दान नहीं यहभारतीय सभ्यता की वैचारिक शक्ति है ! मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि, हमसे अगर गलती हो जाए तो हमें शांत स्वभाव से अपनी गलती को स्वीकार कर लेना चाहिए और माफ़ी मांगनी चहिए, क्योंकि हमेशा याद रखें कि माफी मांगने से हमेशा रिश्ते मजबूत ही होंगे, दो लोगों के बीच कभी बैर नहीं होगा। माफ करने या माफी मांगने की आदत से यह मालूम पड़ता है कि व्यक्ति तुच्छ भावों के मुकाबले में रिश्ते को ज्यादा अहमियत देता है।आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि 7 जुलाई 2025 को वैश्विक माफी दिवस है,चूँकि क्षमा दिवस मनाने से खुद को व दूसरों को क्षमा करने के लिए प्रोत्साहन मिलता है, जिससे एक अधिक दयालू और सहानुभूतिपूर्ण दुनियाँ को बढ़ावा मिलता है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,क्षमा मांगना या देना भावनात्मक और मानसिक कल्याण का एक पहलू है जो सद्भाव और शांति स्थापित करने में मदद करता है। साथियों बात अगर हम वैश्विक क्षमा दिवस 7 जुलाई 2025 के महत्व और शक्तियों को समझने की करें तो,यह दिवस हमारे जीवन में क्षमा की शक्ति और महत्व को समर्पित एक वार्षिक कार्यक्रम है। यह द्वेष को दूर करने, पिछले घावों को भरने और समझ और सुलह की संस्कृति को बढ़ावा देने के महत्व पर चिंतन करने का दिन है। क्षमा भावनात्मक और मानसिक कल्याण का एक पहलू है, जो व्यक्तियों और समुदायों को सद्भाव और शांति में आगे बढ़ने में मदद करता है। वैश्विक क्षमा दिवस लोगों को खुद को और दूसरों को क्षमा करने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिससे एक अधिक दयालु और सहानुभूति पूर्ण दुनिया को बढ़ावा मिलता है। वैश्विक स्तरपर भारतीय सभ्यता, संस्कृति, मूल्यों मर्यादा और आध्यात्मिकता की सजगता दुनिया में कहीं नहीं है हमारी सभ्यता के अनेक मोतियों में से एक माफ़ी मांगना या देना है, बड़े बुजुर्गों का कहना है जो माफ़ करता है पुरानी बातों को भूल जाता है वही सबसे बड़ा दानी है क्योंकि क्षमादान जैसा कोई दान नहीं यहभारतीय सभ्यता की वैचारिक शक्ति है ! साथियों बात अगर हम मानव जीव में क्षमा भाव की करें तो, क्षमा भाव जिसके भीतर विकसित हो जाता है,वह व्यक्ति समाज में आदरणीय माना जाता है। किसी को किसी की भूल के लिए क्षमा करना औरआत्मग्लानि से मुक्ति दिलाना एक बहुत बड़ा परोपकार है। कितना आसान है किसी से अपनी गलती की माफी मांगना और उससे भी ज्यादा आनंद तब मिलता है, जब वह व्यक्ति हमें माफ कर देता है। क्षमा का शस्त्र जिसके पास है, उसका दुष्ट मानव कुछ नहीं बिगाड़ सकते। जिस तरह बिना तिनकों की पृथ्वी पर गिर कर अग्नि खुद ही शांत हो जाती है। साथियों बात अगर हम क्षमा मांगने की परिस्थिति की करें तो, यदि हमसे वाकई गलती हो गई है तो गंभीरता से क्षमा मांगें। कोई स्पष्टीकरण दें, हमारी गलती से वह विचलित है और हमारे कारणों को समझने की स्थिति में नहीं है।उसे पहले शांत कर सामान्य स्थिति में लाएं। दिल से मांगी गई माफी से स्थिति सामान्य हो जाएगी। यह हमारा बड़प्पन भी होगा कि जो व्यक्ति हमारे कारण दुखी हुआ है और हम

अपनी गलती स्वीकार कर उसे सामान्य होने में मदद कर रहे हैं। फिर हुए नुकसान या असुविधा की पूर्ति के लिए तत्काल प्रयास करें। व्यर्थ की दलीलों में समय बर्बाद करने की बजाय तत्काल कदम उठाएं। इस तरह हम अपनी खामियों के बावजूद सम्मान भरोसा हासिल करेंगे। अन्यथा भावनाओं की गलत अभिव्यक्ति से आप हमेशा तनाव में रहेंगे, जो आपको समाधान से दूर और दूर ले जाएगा। साथियों बात अगर हम क्षमा देने की करें तो, कमजोर व्यक्ति कभी क्षमा नहीं कर सकता,क्षमा करना तो शक्तिशाली व्यक्ति का गुण है। जो पहले क्षमा मांगता है वह सबसे बहादुर है और जो सबसे पहले क्षमा करता है वह सबसे शक्तिशाली है। शास्त्रों में कहा गया है कि क्षमा वीरों का आभूषण है।बाणभट्ट के हर्षचरित में उल्लेख किया गया है कि क्षमा सभी तपस्याओं का मूल है। महाभारत में कहा गया है कि क्षमा असमर्थ मनुष्यों का गुण और समर्थ मनुष्यों का आभूषण है।' श्री गुरु ग्रंथ साहिब का वचन है- क्षमाशील को रोग नहीं सताता और न ही यमराज डराता है। साथियों बात अगर हम क्षमा में भावनात्मक मिश्रण से हानि की करें तो खासकर पारिवारिक झगड़ों में हम देखते हैं कि, पति का पत्नी से झगड़ा हो गया है। उनके बीच कोई समस्या हो सकती है, जिस पर ध्यान देने की जरूरत है। चूंकि पत्नी का मूड खराब है तो वह बेटे पर गुस्सा उतारेगी। बेटे पर मां मामूली-सी बात पर चिल्लाई तो वह अपने साथियों से लड़ पड़ा और हम जितनी कल्पना कर सकें उतना इस कहानी को विस्तार दे सकते हैं। भावनाएं यदि समस्या के स्रोत की दिशा में हो तो भी यह उसे सुलझाने की बजाय बड़ा बना देती हैं। यहाँ पर बड़ी समस्या है, क्योंकि कोई माफी मांगे इसकी बजाय भावनात्मक विस्फोट के कारण आखिर में स्थिति होगी कि हमें ही माफी मांगनी पड़ सकती है। साथियों बात अगर हम माफी मांगने में अफसोस और ऐसी गलती दोबारा नहीं होगी के तड़के की करें तो,मुझे अफसोस है, इन तीन छोटे शब्दों के बिना माफी वास्तव में माफी नहीं है। उनका उपयोग करने से हम यह प्रदर्शित कर सकते हैं कि हम वास्तव में उस समस्या को उत्पन्न करने के लिए पछताते हैं जिससे शिकायत को प्रेरित किया। इन शब्दों के साथ माफी माँगने से हमको यह दिखाने में मदद मिलती है कि हम अतीत में जो कुछ हुआ है उसकी जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार हैं। हम सुनिश्चित करेंगे कि ऐसा दोबारा न हो, यह समझाते हुए कि जो हुआ अब आगे हमेशा एक अच्छा विचार होगा, भविष्य में गड़बड़ी से मुक्त रखने के लिए हम जो कुछ भी बदलने की योजना बना रहे हैं उसे रेखांकित करके उस सफलता पर निर्माण करना सबसे अच्छा है। साथिया बात अगर हम माफी मांगने की व्यवहारिकता की करें तो, यदि हम गलत हैं, आंशिक रूप से भी, किसी की मांग करने से पहले क्षमा मांगना बेहतर है। क्षमायाचना उन समस्याओं को हल करने में मदद कर सकती है जिन्हें हल करना सामान्य शब्दों के लिए बहुत कठिन है। क्षमा की वांछनीयता इसमें शामिल लोगों की संस्कृति पर निर्भर करती है। शर्म की संस्कृति में , एक उच्च स्थिति वाले व्यक्ति से जबरन माफी मांगना एक बहुत ही मूल्यवान चीज के रूप में देखा जाता है, क्योंकि माफी मांगने वाले व्यक्ति के सामाजिक अपमान को एक महत्वपूर्ण कार्रवाई के रूप में देखा जाता है।शिष्टाचार दूसरों से अपेक्षा करने का मानक नहीं है, यह एक ऐसा मानक है जिसका आप स्वयं पालन करते हैं। यह कहना कभी आसान नहीं होता, मुझे क्षमा करें। लेकिन कभी-कभी, गलती के लिए माफी मांगना ही आपकी प्रतिष्ठा की रक्षा करने का एकमात्र तरीका है।

क्षमा दान महादान है,क्षमा के बराबर कोई दान नहीं है

गलती करना मानवीय विकार है,क्षमा करना ईश्वरय गुणहै

क्षमा खुशनसीब है,अहंकार बदनसीब है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि क्षमा मांगना या देना भावनात्मक और मानसिक कल्याण का एक पहलू है जो सद्भाव और शांति स्थापित करने में मदद करता है वैश्विक क्षमा दिवस 7 जुलाई 2025, विभिन्न संस्कृतियों व पृष्ठभूमियों के लोगों में क्षमा, यह शांति व सुलह की दिशा में एक वैश्विक आंदोलन को प्रेरित करता है,क्षमा दिवस मनाने से खुद को व दूसरों को क्षमा करने के लिए प्रोत्साहन मिलता है,जिससे एक अधिक दयालु और सहानुभूति पूर्ण दुनियाँ को बढ़ावा मिलता है।

इमरजेंसी में आरएसएस ने क्या किया

राम पुनियानी

इस साल (2025) में जून में देश ने आपातकाल (इमरजेंसी) लागू किए जाने की 50वीं वर्षगांठ मनाई। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1975 में 25 जून को देश में आपातकाल लागू किया था। इस दौर के बारे में बहुत कुछ लिखा जा चुका है - किस तरह लोकतांत्रिक अधिकार छीन लिए गए, हजारों लोगों को जेलों में ठूंस दिया गया और मीडिया का मुंह बंद कर दिया गया। इस काल को कई दलित नेता काफी अलग नजर से देखते हैं और याद करते हैं कि उसके पिछले दशक में इंदिरा गांधी ने बैंकों के राष्ट्रीयकरण और प्रीविपर्स की समाप्ति जैसे कई बड़े मौलिक फैसले लिए गए थे। इनके बारे में और इनका विश्लेषण करते हुए भी बहुत कुछ लिखा जा चुका है। केन्द्रीय मंत्रिपरिषद ने आपातकाल की आलोचना करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया और उन लोगों की सराहना की जिन्होंने आपातकाल का विरोध करते हुए कुर्बानियां दीं। उन अनगिनत लोगों का स्मरण और उनके प्रति सम्मान व्यक्त करने का संकल्प लिया गया जिन्होंने निर्भीकता से आपाताकाल और उसके माध्यम से भारतीय संविधान की आत्मा का क्षय करने का प्रयासों का विरोध किया था। यह प्रयास सन् 1974 में नवनिर्माण आंदोलन और संपूर्ण क्रांति अभियान को सख्ती से कुचलने की कोशिशों से शुरू हुआ था। भाजपा आपाताकाल की 21 महीने की अवधि के दौरान उसके द्वारा निभाई गई महान भूमिका पर बहुत जोर दे रही है। यह आरएसएस के उस दावे से मेल खाता है कि आपाताकाल का विरोध करने वाली मुख्य शक्ति वह ही थी। उसके अधिकांश दावों की तरह इस दावे में भी सच्चाई का कोई अंश नहीं है। इस संबंध में कई वरिष्ठ पत्रकारों द्वारा की गई खोजबीन और कुछ के द्वारा लिखी गई पुस्तकों से कुछ अलग ही तस्वीर सामने आती है। पत्रकारिता के एक बड़े स्तंभ प्रभाष जोशी ने लिखा था, तत्कालीन आरएसएस प्रमुख बालासाहब देवरस ने इंदिरा गांधी को एक पत्र लिखकर संजय गांधी के कुख्यात 20 सूत्रीय कार्यक्रम के अमल में सहायता करने की पेशकश की थी। यह है आरएसएस का असली चरित्र।।।आप इसमें एक पैटर्न देख सकते हैं। यहां तक कि आपातकाल के दौरान भी आरएसएस और जनसंघ से जुड़े कई व्यक्ति, जो रिहा किए गए, उन्होंने माफीनामों पर हस्ताक्षर किए। वे क्षमायाचना करने वाले शुरूआती लोगों में से थे।।।अटल बिहारी वाजपेयी ज्यादातर समय अस्पताल में रहे।।।लेकिन आरएसएस ने आपातकाल के खिलाफ कोई संघर्ष नहीं किया। तो फिर आज भाजपा उसका यश क्यों हड़पना चाहती है?'' वे अंत में निष्कर्ष इन शब्दों में प्रस्तुत करते हैं, वह कोई जुझारू संगठन नहीं है, और वे कभी संघर्ष के लिए उत्सुक नहीं रहते हैं। मूलतः वे समझौतावादी हैं। वे कभी दिल से, ईमानदारी से सरकार के खिलाफ नहीं रहे। उत्तरप्रदेश और सिक्किम के पूर्व राज्यपाल टी वी राजेश्वर ने 'इंडियाः द क्रूशियल ईयर्स' (हार्पर कोलिन्स) शीर्षक की एक पुस्तक लिखी है। वे भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि वे (आरएसएस) न केवल उसका (आपातकाल का) समर्थन कर रहे थे बल्कि वे श्रीमती इंदिरा गांधी के साथ-साथ संजय गांधी से भी संवाद स्थापित करना चाहते थे। जहां बहुत से समाजवादी और कम्युनिस्ट जेलों में कैद थे, वहीं आरएसएस के कार्यकर्ता जेलों से रिहा होने के लिए छटपटा रहे थे। भाजपा के सुब्रमण्यम स्वामी ने 'द हिन्दू' में लिखे गए एक लेख में आपातकाल से जुड़ी एक घटना बयान की है (13 जून 2000)। उनका दावा है कि तत्कालीन आरएसएस प्रमुख बालासाहेब देवरस और पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी ने आपातकाल-विरोधी आंदोलन के साथ विश्वासघात करते हुए इंदिरा गांधी को पत्र लिखे थे जिनमें क्षमायाचना की गई थी। यह महाराष्ट्र विधानसभा की कार्यवाही के रिकार्ड में दर्ज है कि तत्कालीन आरएसएस प्रमुख बालासाहेब देवरस ने पुणे के यरवदा जेल से इंदिरा गांधी को कई पत्र लिखे थे जिनमें क्षमायाचना की गई थी। उन्होंने आरएसएस के जेपी के नेतृत्व वाले आंदोलन से अलग हो जाने और कुख्यात 20-सूत्रीय कार्यक्रम से जुड़े कार्य करने की पेशकश भी की थी। इंदिराजी ने इनमें से किसी भी पत्र का जवाब नहीं दिया। (20 सूत्रीय कार्यक्रम और संजय गांधी के पांच-बिंदुओं का हवाला सत्ताधारी कांग्रेस द्वारा आपातकाल लागू किए जाने को न्यायोचित ठहराने के लिए करते हुए कहा जाता है कि ऐसा भारत को एक नया जीवन देने के लिए किया गया था)। मेरे एक मित्र डॉ। सुरेश खैरनार, जो राष्ट्र सेवा दल के पूर्व अध्यक्ष हैं, भी इस दौरान जेल में थे। जब उन्हें पता लगा कि आरएसएस स्वयंसेवक माफीनामों पर हस्ताक्षर कर रहे हैं, तो वे उनके इस विश्वासघात से आगबबूला हो गए और उन्होंने अपनी नाराजगी स्वयंसेवकों से व्यक्त की। अपनी कार्यशैली के मुताबिक उन्होंने कहा कि वे तो तात्याराव (वीडी सावरकर) के बताए रास्ते पर चल रहे हैं। यह है हिन्दू राष्ट्रवादियों की रणनीति! हमें यह भी याद है कि अटलबिहारी वाजपेयी को आगरा के पास बाटेश्वर से तब गिरफ्तार किया गया जब वे जंगल सत्याग्रह में शामिल हो रहे जुलूस को देख रहे थे, जिसके दौरान एक शासकीय भवन से यूनियन जैक को उतारकर वहां तिरंगा फहरा दिया गया था। इसके तुरंत बाद वाजपेयी ने एक पत्र लिखा और 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन से स्वयं को अलग कर लिया। उन्हें तुरंत रिहा कर दिया गया। इस विचारधारा के अनुयायियों का चरित्र चित्रण ऊपर दिए विवरण के अनुसार प्रभाष जोशी ने बखूबी किया है। जहां ये लोग ऊंचे आक्रामक सुर में बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, वहीं इनके क्रियाकलाप इसके ठीक विपरीत होते हैं। जब 1998 में वाजपेयी के नेतृत्व में एनडीए सरकार सत्ता में आई तब मानवाधिकार कार्यकर्ताओं को इस फर्क का एहसास हुआ। उस समय तक कई मानवाधिकारों के प्रति समर्पित कार्यकर्ता मानते थे कि कांग्रेस और भाजपा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। लेकिन एनडीए के शासनकाल के दौरान इनमें से कईयों की यह गलतफहमी दूर हो गई और उन्हें यह समझ में आ गया कि भाजपा पार्टी विथ ए डिफरेंस है। वह भी इस तथ्य के बावजूद कि उस समय भाजपा को अपने दम पर बहुमत हासिल नहीं था। अब मोदी पिछले करीब 11 सालों से सत्ता में हैं। सन् 2014 और 2019 में उन्हें पूर्ण बहुमत हासिल हुआ। और इस पूर्ण बहुमत के दौर में उनका असली चेहरा साफ साफ नजर आ गया। जहां इंदिरा गांधी द्वारा लागू किया गया आपातकाल पूरी तरह संविधान के प्रावधानों के अनुरूप था, वहीं इस समय हम एक 'अघोषित आपातकाल' का सामना कर रहे हैं। सन् 2015 में इंडियन एक्सप्रेस के शेखर गुप्ता को दिए एक साक्षात्कार में लालकृष्ण आडवानी ने कहा था ''अब आपातकाल की घोषणा के बाद 40 साल बीत चुके हैं। लेकिन पिछले एक साल से भारत में एक अघोषित आपातकाल लागू है'' ('इंडियन एक्सप्रेस' 26-27 जून 2015)। अभिव्यक्ति की आजादी को पूरी तरह कुचल दिया गया है। कई लोगों को सच बोलने की हिम्मत करने के जुर्म में जेल के सींखचों के पीछे पहुंचा दिया गया है। धार्मिक स्वतंत्रता में बहुत गिरावट आई है।

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आज आपको ऑफिस में किसी बड़े प्रोजेक्ट पर काम करने का अवसर मिलेगा, जिससे आपको बढ़िया लाभ होगा। महिलाएं आज छोटे - मोटे बिजनेस की शुरुआत कर सकती है, जिससे वो आत्मनिर्भर बनेगी। आज इलेक्ट्रॉनिक का बिजनेस करने वालों को बड़ा फायदा होगा, जिससे वो अपने बिजनेस को और बड़ा बनाने का प्रयास करेंगें।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए खास रहने वाला है। आज आप टीवी डिबेट में शामिल होंगें और अपने विरोधियों को हराने की पूरी कोशिश करेंगें। संगीत से जुड़े हुए लोगो को म्यूजिक इंडस्ट्री में परफोर्म करने का अच्छा अवसर मिलेगा, उनके सपने पूरे होंगें। आज आपको सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त होगा, जन्हा आपकी मुलाकात बड़े लोगों से होगी।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए मिला - जुला रहेगा। व्यापारिक दृष्टिकोण से आज आपको बढ़िया धन लाभ होगा, किसी पुराने क्लाइंट से आपके रिश्ते ख़राब हो सकते है। आज आप जीवनसाथी के साथ शॉपिंग करने मार्केट जायेंगें, लेकिन आप अपने बजट का भी थोड़ा ध्यान रखें। लंबे समय से चल रही किसी समस्या का समाधान होगा।

कर्क राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपको व्यापार में धन लाभ होगा, लेकिन खर्च की अधिकता रहेगी थोडा ध्यान रखें। आज आप घर के काम में व्यस्त रहेंगे, जिसके बाद आपको थकान हो सकती है। लवमेट के लिए आज का दिन ख़ुशी देने वाला है, आज आप लोग कहीं घूमने जा सकते है।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आपको राजनीति में आगे बढ़ने के लिए किसी विशेष व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होगा। आज आपकी हेल्थ ठीक रहेगी, जिससे आज दिनचर्या से जुड़े सारे काम आप खुद करेंगें। आपके जिद्दी स्वभाव के कारण कुछ काम बनने से रुक सकते है, इसलिए आप थोड़ा ध्यान रखें।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आपको व्यापार में बड़ा धन लाभ होगा, जिससे आप अपने बिजनेस को और बड़ा बनायेंगे। आज महिलाओं को थोडा आराम मिलेगा, घर के काम में बच्चे आपका हाथ बटायेंगे। जीवनसाथी के साथ आज आप किसी काम की शुरुआत कर सकते है।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए लाभ देने वाला होगा। रोजगार में आपको तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे, आप उनका लाभ अवश्य उठाएंगे। आज आप ऑफिस में अपने सहकर्मी के साथ गरिमापूर्ण व्यवहार करे। आज अविवाहित व्यक्तियों को एक अच्छे रिश्ते का ऑफर मिलेगा। प्राइवेट ऑफिस में नौकरी करने वालों को आज उन्नति के अवसर प्राप्त होंगें।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए मिला - जुला रहेगा। आज आप किसी स्टार्टअप को शुरु करने का मन बना सकते है, जिसमें आपको अच्छा लाभ होगा। आज आपकी किसी उलझन का समाधान होगा, दिमाग शांत रहेगा। आज आपके शारीरिक कष्टों का निवारण होगा, जिससे आप खुद को बेहतर महसूस करेंगें।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। आज आप किसी शुभ काम की शुरुआत कर सकते है, जिससे आपके घर में धन - धान्य की बढ़ोत्तरी होगी। आज आपको व्यापारिक दृष्टी से बढ़िया लाभ होगा। आज आप नए रोजगार की शुरुआत कर सकते है , जीवनसाथी का पूरा सहयोग प्राप्त होगा।

मकर राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आप अपने दिन की शुरुआत एक नयी उर्जा के साथ करेंगें , जो पूरा दिन आपको एक्टिव रखेगी। आज आपको किसी व्यक्ति से धन लाभ होगा। आज आप दोस्तों के साथ जमकर पार्टी करेंगें, जिससे आपको ख़ुशी मिलेगी। लंबे समय से चल रही किसी समस्या से आज आपको छुटकारा मिलेगा। अविवाहित व्यक्तियों को आज किसी अच्छे रिश्ते का प्रस्ताव मिल सकता है।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। सोने - चांदी का बिजनेस करने वालों को आज बड़ा धन लाभ होगा। आज आप किसी सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल हो सकते है , जंहा आपको मान - सम्मान की प्राप्ति होगी। आज आपकी मुलाकात किसी राजनितिक व्यक्ति से होगी , जिससे आने वाले समय में आप भी राजनीति से जुड़ सकते है। जो लोग आज प्रॉपर्टी में इन्वेस्ट करना चाहतें है, वो किसी जानकर की सलाह ले लें।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। टेक्सटाइल का बिजनेस करने वालों को आज बड़ा आर्डर मिलने की संभावना बन रही है, जिससे उनके बिजनेस को बढ़िया ग्रोथ मिलेगी। आज आप किसी अजनबी व्यक्ति के साथ अपनी पर्सनल चीजों को शेयर करने से बचें, जिससे आप किसी भी नुकसान से बचें रहें।

जाति प्रमाणपत्र में छिपा भेदभावः बच्चों के अधिकारों पर प्रशासनिक कुठाराघात

डॉ सत्यवान सौरभ

जाति प्रमाणपत्र जारी करने की प्रक्रिया में बच्चों के अधिकारों और सामाजिक पहचान की उपेक्षा गंभीर चिंता का विषय है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने हाल ही में स्पष्ट किया कि यदि कोई बच्चा अनुसूचित जाति की मां द्वारा पाला गया है और उसी समुदाय के रीति-रिवाजों में बड़ा हुआ है, तो उसे प्रमाणपत्र से वंचित नहीं किया जा सकता, भले ही पिता की जाति भिन्न हो। यह फैसला बच्चों के संवैधानिक अधिकारों और सामाजिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अब आवश्यक है कि राज्य सरकारें स्पष्ट नीति बनाकर प्रशासनिक भेदभाव की समाप्ति सुनिश्चित करें। जाति प्रमाणपत्र एक ऐसा दस्तावेज है, जो हमारे समाज की सामाजिक संरचना और संवैधानिक वादों के बीच की गहरी खाई को उजागर करता है। यह केवल आरक्षण या सरकारी योजनाओं की पात्रता का प्रमाण नहीं, बल्कि इस बात का संकेत भी है कि किसी बच्चे को अपने अधिकार पाने के लिए किस प्रकार की सामाजिक स्वीकृति और सरकारी मान्यता की आवश्यकता है। हाल ही में दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसले में यह स्पष्ट किया कि अनुसूचित जाति से संबंधित किसी व्यक्ति का बच्चा भी उसी जाति से माना जाएगा, भले ही उसके माता-पिता के बीच धर्म अलग-अलग हों। यह फैसला उन हजारों बच्चों को राहत देता है, जिन्हें आज भी केवल उनके माता-पिता के धर्म या सामाजिक स्थिति के आधार पर जाति प्रमाणपत्र से वंचित किया जा रहा है। दिल्ली उच्च न्यायालय का यह फैसला एक बहुचर्चित मामले में आया, जिसमें एक विधवा महिला ने अपने बेटे के लिए अनुसूचित जाति प्रमाणपत्र की मांग की थी। महिला दलित समुदाय से थी, जबकि उसके पति अन्य धर्म से संबंधित थे। बच्चे का पालन-पोषण दलित परंपराओं, रीति-रिवाजों और सामाजिक परिवेश में हुआ, लेकिन प्रशासन ने प्रमाणपत्र जारी करने से इंकार कर दिया। तर्क था – पिता की जाति अलग थी, अतः बच्चा उस जाति का नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह दृष्टिकोण न केवल संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि बच्चों के विकास के अवसरों पर भी आघात है। न्यायालय ने अपने फैसले में कहा कि "जाति एक सामाजिक निर्माण है, जैविक नहीं। यदि बच्चा उस जाति के सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश में बड़ा हुआ है, तो उसे उस समुदाय का हिस्सा माना जाना चाहिए।" यह टिप्पणी उन सरकारी अधिकारियों के सोच पर गहरी चोट है, जो जाति को अब भी 'खून से बंधा हुआ' तत्व मानते हैं, न कि सामाजिक परिस्थितियों से जुड़ा हुआ। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 15 और 16 समानता का अधिकार प्रदान करता है, वहीं अनुच्छेद 46 स्पष्ट रूप से अनुसूचित जातियों और जनजातियों की शैक्षिक और आर्थिक हितों की विशेष सुरक्षा की बात करता है। लेकिन ज़मीनी हकीकत इससे कोसों दूर है। सरकारी दफ्तरों में आज भी जाति प्रमाणपत्र एक 'कागजी पहचान' से ज़्यादा एक 'पैदाइशी सबूत' के रूप में देखा जाता है। अधिकारी, विशेषकर ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में, जाति प्रमाणपत्र जारी करने के लिए ऐसे दस्तावेज़ माँगते हैं जो एक साधारण नागरिक के पास हों भी तो उन्हें मान्यता नहीं मिलती — जैसे मौखिक घोषणाएं, स्थानीय पंचायत की सिफारिश, या जातिगत मान्यता पत्र। समस्या की जड़ उस मानसिकता में है, जो मानती है कि जाति पिता से तय होती है, न कि सामाजिक पालन-पोषण और सामाजिक पहचान से। विशेषकर जब माता अनुसूचित जाति की हो और पिता अन्य जाति या धर्म का, तो बच्चे की पहचान को लेकर सरकारी तंत्र असहज हो जाता है। बच्चों को उन अधिकारों से वंचित कर दिया जाता है, जिनके वे जन्मसिद्ध हकदार हैं — केवल इसलिए कि वे 'शुद्ध जाति व्यवस्था' के साँचे में फिट नहीं होते। यहाँ एक और प्रश्न उठता है- क्या जाति प्रमाणपत्र के मामले में 'पालन-पोषण' का महत्व नहीं होना चाहिए? क्या एक बच्चा जो दलित बस्ती में पला-बढ़ा, जिसने सामाजिक अपमान, भेदभाव और आर्थिक अभाव झेला, उसे केवल इस आधार पर वंचित किया जा सकता है कि उसके पिता किसी अन्य जाति या धर्म से थे? दिल्ली उच्च न्यायालय ने इसी प्रश्न का उत्तर देते हुए एक ऐतिहासिक दृष्टिकोण अपनाया — कि जाति कोई आनुवंशिक रोग नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तराधिकार है। प्रशासनिक व्यवस्था आज भी औपनिवेशिक सोच से ग्रस्त है, जहाँ हर दस्तावेज़ को संदेह की निगाह से देखा जाता है। बच्चे और विधवा महिलाओं के मामलों में तो यह और भी जटिल हो जाता है। एक विधवा दलित महिला को बार-बार प्रमाण देना पड़ता है कि उसका बच्चा उसी समुदाय में बड़ा हुआ है — यह न केवल मानसिक पीड़ा है, बल्कि असंवेदनशील राज्य व्यवस्था का प्रत्यक्ष उदाहरण भी है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (NCPCR) भी कई बार यह सुझाव दे चुका है कि बच्चों को जाति प्रमाणपत्र जारी करने में 'पालन-पोषण' को एक प्रमुख आधार बनाया जाए। लेकिन राज्य स्तर पर नौकरशाही अभी भी इस परिवर्तन के लिए तैयार नहीं है। अधिकारियों को डर है कि यदि सामाजिक पहचान को आधार मान लिया गया, तो फर्जी प्रमाणपत्रों की बाढ़ आ जाएगी। लेकिन यह सोच असल में उन बच्चों के अधिकारों का हनन करती है, जो दोहरे भेदभाव का शिकार होते हैं — एक ओर सामाजिक, दूसरी ओर प्रशासनिक। जाति प्रमाणपत्र न केवल आरक्षण की कुंजी है, बल्कि यह सरकारी छात्रवृत्तियों, प्रतियोगी परीक्षाओं, आवासीय योजनाओं और नौकरियों में प्रवेश का द्वार भी है। जब किसी बच्चे को केवल उसके माता-पिता की जातिगत भिन्नता के आधार पर इससे वंचित किया जाता है, तो यह संविधान की आत्मा पर आघात है। यह उस समानता और न्याय की भावना के विपरीत है, जिसकी स्थापना के लिए संविधान निर्माताओं ने संघर्ष किया था। यह भी उल्लेखनीय है कि कई बार तो अधिकारियों द्वारा जाति प्रमाणपत्र देने से इनकार करने के पीछे व्यक्तिगत पूर्वाग्रह या राजनैतिक दबाव भी होता है। यदि कोई बच्चा गरीब है, दलित बस्ती में रहता है और उसकी माँ अकेली कमाने वाली है- तब भी उसे प्रमाणपत्र नहीं दिया जाता, जब तक वह 'पिता की जाति' सिद्ध न कर दे। यह पुरुषसत्तात्मक दृष्टिकोण है, जो महिला की सामाजिक स्थिति और उसके बच्चे के अधिकारों को नगण्य समझता है। ऐसे में न्यायालयों की भूमिका निर्णायक हो जाती है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

रोहित और कोहली की वनडे वापसी पर लगा ब्रेक, फैंस को करना होगा इंतजार

भारत-बांग्लादेश क्रिकेट सीरीज 2025 टली

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम इस साल बांग्लादेश दौरे पर नहीं जाएगी। भारत और बांग्लादेश के बीच अगस्त 2025 में प्रस्तावित सीमित ओवरों की सीरीज अब फिलहाल स्थगित कर दी गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को जानकारी दी कि दोनों देशों के क्रिकेट बोर्ड की आपसी सहमति से यह निर्णय लिया गया है। नई सीरीज अब सितंबर 2026 तक के लिए टाल दी गई है। इस दौरे में तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जाने थे। सीरीज टलने से भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को उस वापसी का भी इंतजार करना पड़ेगा जिसका वे लंबे समय से बेसब्री से इंतजार कर रहे थे रोहित शर्मा और विराट कोहली की वनडे क्रिकेट में वापसी। दोनों दिग्गज खिलाड़ी पहले ही टेस्ट और टी20 फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं और अब सिर्फ वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं। ऐसे में बांग्लादेश के खिलाफ यह सीरीज उनके लिए एक तरह से वनडे क्रिकेट में पुनः दस्तक देने का मंच मानी जा रही थी। बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा कि यह निर्णय दोनों टीमों के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कार्यक्रम और मौजूदा शेड्यूल की व्यस्तता को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने भी पुष्टि की है कि वह सितंबर 2026 में भारत की मेजबानी को लेकर उत्साहित है। इस सीरीज की नई तारीखों की घोषणा आने वाले महीनों में की जाएगी। गौरतलब है कि भारत और बांग्लादेश के बीच यह सीरीज 17 अगस्त 2025 से शुरू होनी थी। तय कार्यक्रम के अनुसार टीम इंडिया को इंग्लैंड दौरे के समापन के बाद सीधे बांग्लादेश रवाना होना था, लेकिन अब उस योजना पर विराम लग गया है। फिलहाल भारतीय टीम इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेल रही है, जो 4 अगस्त को समाप्त होगी। सीरीज स्थगित होने से रोहित और विराट के प्रशंसकों को बड़ा झटका लगा है। विराट कोहली ने अपना आखिरी वनडे मार्च 2025 में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था और अब तक वे 302 वनडे मैचों में 14181 रन बना चुके हैं, जिसमें 51 शतक और 74 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं रोहित शर्मा ने 273 वनडे मैचों में 11168 रन बनाए हैं और उन्होंने भी अपना अंतिम वनडे न्यूजीलैंड के खिलाफ ही मार्च 2025 में खेला था।

चेस टूर्नामेंट के पहले दिन खिलाड़ियों ने दिखाए अपने-अपने दांव

लखीमपुर खीरी । क्रीड़ा भारती के नेतृत्व में डॉ रवि मेमोरियल इंटरनेशनल स्कूल में डॉ. रवि श्रीवास्तव मेमोरियल चेस टूर्नामेंट 2025 का आयोजन किया गया। सदर विधायक योगेश वर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष डॉ इरा श्रीवास्तव व अविनाश जी ने फीता काटकर टूर्नामेंट का शुभारंभ किया।

टूर्नामेंट आयोजन कपिल श्रीवास्तव ने बताया कि ऐसे कार्यक्रम पहले भी कराए जा चुके हैं जिन्होंने देश की खेल संस्कृति को नई ऊंचाई दी है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में ऐसे कार्यक्रम हमेशा होते रहेंगे जिससे पढ़ने वाले बच्चे अपनी प्रतिभा को समाज में ला सकेंगे और उनको आगे बढ़ने का मौका भी मिलेगा। इस बीच स्कूल प्रांगण में एक पेड़ माँ के नाम पर पौधरोपण किया गया जिसमें अविनाश जी, सदर विधायक योगेश वर्मा, नगर पालिका लखीमपुर की अध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव, रवि मेमोरियल इंटरनेशनल स्कूल के एमडी कपिल श्रीवास्तव सहित क्रीड़ा भारती से कनिष्क बरनवाल, शौर्य सक्सेना, मंजीत सिंह सेक्रेटरी जिला चेस एसोसिएशन, टूर्नामेंट डायरेक्टर सीपी मिश्रा, चीफ ऑर्बिटर नाज़िम अली, ऑर्बिटर क़ाज़ी आदि उपस्थित रहे। पांच राउंड पूरा होने के बाद अंडर 8 कैटेगरी में आर्यन दीपक भव्य वर्मा और मोहम्मद मुअज्जम सैम आगे चल रहे हैं।

अंडर 12 कैटेगरी में वर्धन गुप्ता कुमार वत्सल और रुद्राक्ष पाल आगे चल रहे हैं। अंडर 17 कैटेगरी में आयुष सक्सेना उदित सिंह और शावेज़ अली आगे चल रहे हैं। महिला वर्ग में हानियां, इप्शिता और जिज्ञासा आगे चल रही हैं। ओपन कैटेगरी में राउंड चार तक उमेश वर्मा पूर्व चैंपियन विजय सिंह मौर्य को हराकर आगे चल रहे हैं और सुधीर कश्यप दूसरे नंबर पर चल रहे हैं।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम का लंदन के इंडिया हाउस में भव्य स्वागत

नई दिल्ली, भारतीय महिला क्रिकेट टीम इन दिनों पांच मैचों की टी20 और तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए इंग्लैंड मैं हैं। दोनों टीमों के बीच पहले टी20 सीरीज खेली जा रही है, जिसमें भारतीय टीम 2-1 से आगे चल रही है। दोनों टीम के बीच चौथा टी20 मैच 9 जुलाई को खेला जाएगा। इस बीच हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भार भारत-बांग्लादेश क्रिकेट सीरीज 2025 टली तीय टीम का लंदन के इंडिया हाउस में एक समारोह में भव्य स्वागत किया गया। मुख्य कोच अमोल मजूमदार के नेतृत्व में भारतीय टीम और सहयोगी स्टाफ शनिवार शाम को भारतीय उच्चायोग के प्रांगण में आयोजित समारोह में शामिल हुए। यूनाइटेड किंगडम में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी ने उनका स्वागत किया। हाई कमीशन ऑफ इंडिया इन लंदन ने रविवार ने 'एक्स' पर बताया कि कल (शनिवार) इंडिया हाउस में भारतीय महिला क्रिकेट टीम का गर्मजोशी से स्वागत किया। भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी ने टीम का स्वागत किया और महिला क्रिकेट को लोकप्रिय बनाने तथा युवा लड़कियों को प्रेरित करने में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। ईसीबी क्रिकेट की प्रतिनिधि शिवानी ओबेरॉय, यूके की मंत्री सीमा मल्होत्रा और कोच अमोल मजूमदार ने भी इस अवसर पर बात रखी। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण उप उच्चायुक्त सुजीत जॉय घोष द्वारा संचालित एक हल्की-फुल्की बातचीत थी, जिसमें टीम के खिलाड़ी स्नेह राणा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, शैफाली वर्मा और कोच अमोल मुजुमदार शामिल थे।

ग्रेनेडा टेस्टः तीसरे दिन का खेल खत्म, ऑस्ट्रेलिया की बढ़त 254 रन की हुई

ग्रेनेडा, वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच के तीसरे दिन का खेल खत्म हो गया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दूसरी पारी में सात विकेट खोकर 221 रन बना लिए हैं। एलेक्स केरी 26 और कप्तान पैट कमिंस 4 बना कर क्रीज पर हैं। टीम की बढ़त 254 रन की हो गई है। दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने 2 विकेट पर 12 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। दिन की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया को नाथन लियोन के रूप में पहला छटका लगा। लियोन 8 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद टीम के लिए कैमरून ग्रीन और स्टीव स्मिथ ने अर्धशतकीय पारी खेली। कैमरून ग्रीन ने 123 गेंद पर 5 चौकों की मदद से 52 रन बनाए, वहीं स्मिथ ने 119 गेंदों में 7 चौके और एक छक्के की मदद से 71 रन जड़े। इसके अलावा ट्रेविस हेड ने 60 गेंद पर 39 रन बनाए। ब्यू वेबस्टर मात्र 2 रन बना पाए। वेस्टइंडीज के लिए दूसरी पारी में अब तक जायडेन सील्स, शमर जोसेफ, जस्टिन ग्रीव्स ने 2-2 विकेट और अल्जारी जोसेफ ने एक विकेट चटकाया। इससे पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 286 रन बनाए थे। वेस्टइंडीज की पहली पारी 253 रन प सिमट गई थी। इस तरह दूसरी पारी की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया को 33 रन की लीड मिली थी। अब दूसरी पारी में 7 विकेट खोकर 221 रन बनाने के साथ टीम की कुल बढ़त 254 रन हो गई है। उल्लेखनीय है कि ऑस्ट्रेलिया ने पहले टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज को 159 रनों से हराया था। इससे ऑस्ट्रेलिया की टीम सीरीज में 1-0 से आगे है।

नीदरलैंड के खिलाफ शानदार फील्ड गोल के लिए दीपिका पॉलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड के लिए नामांकित

नई दिल्ली, भारतीय महिला हॉकी टीम की फॉरवर्ड दीपिका को पॉलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड के लिए नामांकित किया गया है। उन्हें यह उपलब्धि 2024-25 एफआईएच हॉकी प्रो लीग सीजन के दौरान विश्व नंबर एक नीदरलैंड के खिलाफ अपने अविश्वसनीय एकल फील्ड गोल के लिए मिली है।

हॉकी इंडिया के अनुसार 2024-25 एफआईएच हॉकी प्रो लीग सीजन के लिए पॉलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड के लिए नामांकन शुक्रवार को जारी किए गए और वोट करने की अंतिम तिथि 14 जुलाई को सुबह 3:29 बजे (भारतीय समयानुसार) है। वोटिंग समाप्त होने के बाद विजेता की घोषणा की जाएगी। पॉलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड के विजेता का फैसला दुनिया भर के हॉकी प्रशंसकों द्वारा इस आधार पर किया जाता है कि उन्हें लगता है कि सीजन के दौरान सबसे अच्छा पल और गोल किसने किया। दीपिका का प्रतिष्ठित क्षण फरवरी 2025 में एफआईएच हॉकी प्रो लीग के भुवनेश्वर चरण के दौरान हुआ, जब भारतीय टीम ने कलिंगा स्टेडियम में 2-2 से ड्रॉ के बाद शूटआउट में नीदरलैंड को हराया। मैच में भारतीय टीम दो गोल से पीछे चल रही थी, लेकिन35वें मिनट में दीपिका ने एक शानदार फील्ड गोल किया था, जिससे टीम ने वापसी की और निर्धारित समय के बाद स्कोर 2-2 की बराबर था। इसके बाद शूटऑउट में भारतीय टीम ने नीदरलैंड को 2-1 से हरा दिया था। 21 वर्षीय इस बेहतरीन खिलाड़ी ने कहा, "नीदरलैंड के खिलाफ किया गया वह गोल मेरे करियर के सबसे खास पलों में से एक है। सब कुछ ठीक रहा और इससे हमें बराबरी करने और शूटआउट में गेम जीतने में मदद मिली। उन्होंने कहा कि मुझे पोलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड के लिए नामांकित किए जाने पर गर्व है और अपने प्रशंसकों के समर्थन के लिए आभारी हूँ। ऐसे पलों के लिए हम इतनी मेहनत करते हैं। आपके वोट और समर्थन मुझे अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने और भारत के लिए अपना सब कुछ देने के लिए प्रेरित करते हैं। मैं अपने कोच, सहयोगी स्टाफ़ और सबसे महत्वपूर्ण बात, अपने साथियों को उनके निरंतर प्रोत्साहन और मुझ पर विश्वास के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।" दीपिका के गोल के अलावा, पोलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड के लिए नामांकित महिलाओं में दो और खिलाड़ी स्पेन की पेट्रीसिया अल्वारेज और ऑस्ट्रेलिया की हॉकीरूस हैं।

व्यापार

प्राइमरी मार्केट में अगले सप्ताह 5 नए आईपीओ की दस्तक, 9 कंपनियों की होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली, सोमवार से शुरू हो रहे कारोबारी सप्ताह के दौरान पांच कंपनियां अपना आईपीओ लॉन्च करने वाली हैं। इनमें से एक ट्रैवल फूड सर्विसेज का आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट का है, जबकि शेष चार आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इन नए आईपीओ के अलावा निवेशकों के पास पिछले सप्ताह खुले दो आईपीओ में 7 जुलाई तक और एक आईपीओ में 8 जुलाई तक बोली लगाने का मौका है। इसी तरह अगले सप्ताह 9 कंपनियां स्टॉक मार्केट में लिस्टिंग के जरिए कारोबार की शुरुआत करने जा रही हैं। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन 7 जुलाई को ट्रैवल फूड सर्विसेज का 2,000 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है। इस आईपीओ में 9 जुलाई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत 1,045 से 1,100 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 13 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 10 जुलाई को होगा। इसके बाद 14 जुलाई को कंपनी के शेयर बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। 7 जुलाई को ही केमकार्ट इंडिया का 80.08 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है। इस आईपीओ की क्लोजिंग 9 जुलाई को होगी। आईपीओ के तहत 236 से 248 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 600 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 10 जुलाई को होगा। इसके बाद 14 जुलाई को कंपनी के शेयर बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इसी दिन स्मार्टेन पावर सिस्टम्स का 50 करोड़ रुपये का आईपीओ भी सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है। इस आईपीओ की क्लोजिंग भी 9 जुलाई को होगी। आईपीओ के तहत 100 रुपये प्रति शेयर का भाव तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 10 जुलाई को होगा। इसके बाद 14 जुलाई को कंपनी के शेयर एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इसके अगले दिन 8 जुलाई को ग्लेन इंडस्ट्रीज का 63.02 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ की क्लोजिंग 10 जुलाई को होगी। आईपीओ के तहत 92 से 97 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 11 जुलाई को होगा। इसके बाद 15 जुलाई को कंपनी के शेयर बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन 9 जुलाई को एस्टन फार्मास्यूटिकल्स का 27.56 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है। इस आईपीओ की क्लोजिंग 11 जुलाई को होगी। आईपीओ के तहत 115 से 123 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 14 जुलाई को होगा। इसके बाद 16 जुलाई को कंपनी के शेयर बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इन नए आईपीओ के अलावा पिछले सप्ताह 3 जुलाई को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले क्रायोजेनिक ओजीएस लिमिटेड के 17.77 करोड़ रुपये के आईपीओ में कल तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 47 रुपये प्रति शेयर का भाव तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 3,000 शेयर का है। ये आईपीओ अभी तक 99.67 गुना सब्सक्राइब हो चुका है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 8 जुलाई को होगा। इसके बाद 10 जुलाई को ये शेयर बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इसी तरह 3 जुलाई को ही सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन हुए व्हाइट फोर्स लिमिटेड के 24.25 करोड़ रुपये के आईपीओ में भी कल तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 72 से 76 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। इस आईपीओ अभी तक 59 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिला है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 8 जुलाई को होगा। इसके बाद 10 जुलाई को ये शेयर एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इसके अलावा 4 जुलाई को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले मेटा इन्फोटेक के 80.18 करोड़ रुपये के आईपीओ में 8 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 153 से 161 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 800 शेयर का है। ये आईपीओ अभी तक 2.90 गुना सब्सक्राइब हो चुका है।

डीप टेक स्टार्टअप्स को मिलेगा नया बूस्ट : गोयल

सरकार ने फंड ऑफ फंड्स में जोड़े 10 हजार करोड़

नई दिल्ली । केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बेंगलुरु में घोषणा की कि सरकार ने डीप टेक रिसर्च और स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने के लिए 'फंड ऑफ फंड्स' स्कीम के तहत 10,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि मंजूर की है। उन्होंने बताया कि पिछली बार बजट में दी गई इतनी ही राशि पहले ही उपयोग की जा चुकी है। नई फंडिंग का बड़ा हिस्सा डीप टेक क्षेत्र को समर्पित किया जाएगा, जिससे देश में नई तकनीकों के विकास और नवाचार को बल मिलेगा। गोयल ने बताया कि इस फंड के लिए दिशानिर्देश तैयार किए जा रहे हैं, जिससे स्टार्टअप्स को रिसर्च और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में स्पष्ट मार्गदर्शन मिलेगा। इसी के साथ, भारत के स्टार्टअप पॉलिसी फोरम ने एक नई पहल की शुरुआत की है। इसका उद्देश्य देश के 100 शीर्ष डीप टेक स्टार्टअप्स की पहचान कर उन्हें नीति निर्माण और तकनीकी चर्चाओं में शामिल करना है। यह कार्यक्रम स्टार्टअप इंडिया, मेटी स्टार्टअप हब और आईआईटी मद्रास के सहयोग से चलाया जा रहा है। इस पहल के तहत एक मेंटर बोर्ड भी बनाया गया है, जिसमें विशेषज्ञ, निवेशक और नीति निर्माता शामिल हैं। चयनित स्टार्टअप्स के अनुभवों और चर्चाओं के आधार पर एक व्हाइट पेपर तैयार किया जाएगा, जिसमें नीति संबंधी सुझाव होंगे।

सर्राफा बाजार में साप्ताहिक आधार पर 1,410 रुपये तक महंगा हुआ सोना

दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी 1,10,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर

नई दिल्ली, घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने के भाव में मामूली तेजी नजर आ रही है। चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। भाव में उछाल आने की वजह से आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 98,830 रुपये से लेकर 98,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 90,600 रुपये से लेकर 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। भाव में कोई बदलाव नहीं होने की वजह से चांदी दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 1,10,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। साप्ताहिक आधार पर देखा जाए तो सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के बाद देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने के भाव में 1,410 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की मजबूती दर्ज की गई है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी पिछले एक सप्ताह के दौरान 1,300 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो चुका है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी साप्ताहिक आधार पर मजबूती आई है। सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के बाद चांदी 2,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक महंगी हो गई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 98,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 98,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 98,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,650 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 98,830 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 90,600 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 98,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 98,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 90,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 98,980 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है।

टॉप 10 में शामिल देश की 6 कंपनियों का मार्केट कैप 70 हजार करोड़ से ज्यादा गिरा

नई दिल्ली, घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 6 कंपनियों के मार्केट कैप में 70 हजार करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। इनमें सबसे अधिक नुकसान एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को हुआ। दूसरी ओर, टॉप 10 में शामिल 4 कंपनी के मार्केट कैप में इस सप्ताह 42 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। इनमें सबसे अधिक फायदा रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। इस सप्ताह के कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), इंफोसिस और हिन्दुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 42,149.62 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। दूसरी ओर, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मार्केट कैप में 70,325.50 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। 30 जून से 4 जुलाई के बीच हुए कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 15,359.36 करोड़ रुपये बढ़ कर 20,66,949.87 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह इंफोसिस का मार्केट कैप 13,127.51 करोड़ रुपये की उछाल के साथ 6,81,383.80 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 7,906.37 करोड़ रुपये बढ़ कर 5,49,757.36 करोड़ रुपये के स्तर पर और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 5,756.38 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 7,24,545.28 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। दूसरी ओर, एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 19,284.80 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 15,25,339.72 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 13,566.92 करोड़ रुपये घट कर 10,29,470.57 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 13,236.44 करोड़ रुपये कम होकर 5,74,977.11 करोड़ रुपये के स्तर पर, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 10,246.49 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 5,95,277.16 करोड़ रुपये के स्तर पर, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 8,032.15 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 12,37,729.65 करोड़ रुपये के स्तर पर और भारती एयरटेल का मार्केट कैप 5,958.70 करोड़ रुपये घट कर 11,50,371.24 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 20,66,949.87 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही।

सितारे जमीन पर की कमाई दूसरे सप्ताह में भी जारी, एक हफ्ते में पस्त हुई मां

अभिनेता आमिर खान की फिल्म सितारे जमीन पर को 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा और यह पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा रही है। इस स्पोर्ट्स कॉमेडी ड्रामा फिल्म को देखने के लिए टिकट खिड़की पर दर्शकों की भीड़ उमड़ रही है। ये फिल्म अब तक कई रिकॉर्ड तोड़ चुकी है और कई रिकॉर्ड बनाने की ओर बढ़ रही है। आइए जानें सितारे जमीन पर ने 14वें कितने करोड़ रुपये कमाए। बॉक्स ऑफिस आंकड़ों का ब्योरा रखने वाली वेबसाइट सैकनिल्क के मुताबिक, सितारे जमीन पर ने अपनी रिलीज के 14वें दिन यानी दूसरे गुरुवार को 2.75 करोड़ रुपये कमाए। इसी के साथ अब भारत में इस फिल्म की कुल कमाई 135.65 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। देश में ही नहीं, बल्कि विदेश में सितारे जमीन पर का भी खूब डंका बज रहा है। दुनियाभर में इस फिल्म ने अब तक 211.5 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। सितारे जमीन पर के निर्देशन की कमान आरएस प्रसन्ना ने संभाली है। आमिर ने खुद इस फिल्म का निर्माण अपनी पूर्व पत्नी किरण राव के साथ मिलकर किया है। सितारे जमीन पर में आमिर की जोड़ी पहली बार अभिनेत्री जेनेलिया डिसूजा के साथ बनी है। जेनेलिया ने फिल्म में आमिर की पत्नी सुनीता का किरदार निभाया है। दोनों की केमिस्ट्री को प्रशंसक काफी पसंद कर रहे हैं। फिल्म में आमिर ने एक बदनाम बास्केटबॉल कोच गुलशन की भूमिका निभाई है। पहली बार हॉरर फिल्म में नजर आईं काजोल से एक बेहतर फिल्म की उम्मीद थी। लेकिन 'मां उन उम्मीदों पर बिल्कुल भी खरी नहीं उतरी है। इसका अंदाजा फिल्म की कमाई से ही लगा सकते हैं। बॉक्स ऑफिस पर सात दिन बिताने के बाद भी 'मां की कमाई सिर्फ 26.65 करोड़ रुपए ही हो पाई है। गुरुवार को फिल्म का कलेक्शन सिर्फ 1.65 करोड़ ही रहा, जबकि बुधवार को ये कलेक्शन 1.85 करोड़ था। ऐसे में आज से 'मेट्रो इन दिनो की रिलीज के बाद ये कलेक्शन और भी गिरने की संभावना है।

निमृत कौर अहलूवालिया संग टाइगर श्रॉफ का पहला गाना बेपनाह रिलीज, अभिनेता ने खुद लगाए सुर

बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पिछले कुछ दिनों से अपने नए गाने को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जिसका नाम बेपनाह है। इस गाने के लिए टाइगर ने पहली बार अभिनेत्री और मॉडल निमृत कौर अहलूवालिया के साथ मिलाया है। अब आखिरकार गाना बेपनाह रिलीज हो गया है, जिसमें टाइगर और निमृत की बेहतरीन केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। इसके अलावा टाइगर के डांस मूव्स भी लोगों को खूब पसंद आ रहे हैं। खास बात यह है कि बेपनाह को टाइगर ने खुद अपनी आवाज दी है। इस गाने के बोल अवितेश श्रीवास्तव ने लिखे हैं। इन्होंने ही गाने को कंपोज किया है। निमरत ने को-एक्टर टाइगर की तारीफ करते हुए बताया कि वह मेहनती हैं और हर फ्रेम में उनका पैशन दिखता है। टीवी शो 'छोटी सरदारनी फेम निमरत कौर ने इस वीडियो में टाइगर के साथ पहली बार स्क्रीन शेयर किया है। उनके ग्लैमरस अंदाज और टाइगर की डांस प्रतिभा ने इस गाने को खास बना दिया है। इस हाई-एनर्जी डांस नंबर में टाइगर ने अपने शानदार डांस मूव्स दिखाए हैं। निमरत ने इस अनुभव को शेयर करते हुए बताया, टाइगर के साथ काम करना बेहद मजेदार रहा। हर फ्रेम में उनका जुनून और मेहनत साफ दिखता है, जो प्रेरणादायक है। मुझे उनकी एनर्जी से तालमेल बिठाना था और कोरियोग्राफर बॉस्को ने मुझे मेरे कम्फर्ट जोन से बाहर निकालकर बेहतरीन डांस सिखाया। यह गाना स्टाइल, रिदम और केमिस्ट्री का शानदार मिश्रण है। मैं दर्शकों के रिएक्शन का इंतजार कर रही हूं। निमरत ने यह भी बताया कि जब उन्होंने 'बेपनाह का कॉन्सेप्ट और ट्रैक सुना, तो वह तुरंत इसकी दीवानी हो गईं। गाने की जीवंतता और ग्लैमरस वाइब ने उन्हें नया लुक आजमाने का मौका दिया। गौरतलब है कि टाइगर जल्द ही बागी 4 में नजर आएंगे, जिसके निर्देशन की कमान ए हर्ष ने संभाली है, जिन्होंने भजरंगी और वेधा जैसी कन्नड़ फिल्मों का निर्देशन किया है। सोनम बाजवा और संजय दत्त भी फिल्म का हिस्सा हैं। बागी 4 5 सितंबर, 2025 को रिलीज होगी।

मैंने कन्नप्पा के किरदार को छह महीने तक जीया: प्रीति मुकुंदन

सोशल मीडिया पर शेयर किया एक नोट

एक्ट्रेस प्रीति मुकुंदन इन दिनों हाल ही में रिलीज हुई अपनी फिल्म कन्नप्पा को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया का आनंद ले रही हैं। एक्ट्रेस ने आभार जताते हुए सोशल मीडिया पर एक नोट शेयर किया, जिसमें बताया कि उन्होंने इस फिल्म में अपने किरदार को छह महीने तक जीया और महसूस किया। एक्ट्रेस ने बताया कि इस दौरान उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर फैंस का धन्यवाद देते हुए लिखा, कभी-कभी जिंदगी में ऐसा समय आता है जब प्यार हमारे आस-पास होता है और शब्द कम पड़ जाते हैं, लेकिन फिर भी जताना जरूरी होता है। पिछले कुछ दिन मेरे लिए बिल्कुल ऐसे ही रहे। जो भी लोग मुझे प्यार, सम्मान और अपनापन भेज रहे हैं, आपको पता नहीं कि आपके ये शब्द मुझे कितना खुश कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, मैंने छह महीने तक इस किरदार को जीया और महसूस किया, अपनी कला सीखने की कोशिश की और उस समय की भारी शारीरिक मेहनत को सहा। यह देखकर कि मेरी मेहनत आप तक पहुंची है, हर मुश्किल अब आसान लगती है। जब कोई आपके उस काम को देखता है जो आपके दिल से निकला हो, तो वह खास और खूबसूरत होता है। प्रीति मुकुंदन ने कहा, मैं एक्टर के तौर पर सिर्फ दो हफ्ते ही सेट पर थी, और हमारे इंडस्ट्री के कुछ बड़े सितारों के साथ काम करना मेरे लिए एक खास अनुभव था, खासकर ऐसे समय में, जब मैं अभी अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रही हूं। मैं अब भी उन यादों को सोचकर बहुत खुश होती हूं। अभिनेत्री ने कहा कि इस सफर में उन्हें कई अच्छे और प्रेरणादायक लोग मिले, जिनके लिए वह हमेशा आभारी रहेंगी। उन्होंने आगे कहा, उन सभी लोगों का बहुत-बहुत धन्यवाद जिन्होंने मेरे लिए यह सब संभव बनाया। आप सभी का भी शुक्रिया जिन्होंने मुझे प्यार दिखाने और मैसेज करने के लिए समय निकाला।

ब्लैक साड़ी में वामिका गब्बी ने बिखेरा हुस्न का जलवा, सोशल मीडिया पर वायरल हुई तस्वीरें

वामिका गब्बी ने एक बार फिर अपने एलिगेंट और ग्रेसफुल अंदाज से सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है. हाल ही में एक्ट्रेस ने ब्लैक साड़ी में कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं जो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं. ब्लैक स्ट्रैपलेस ब्लाउज और रंग-बिरती तितलियों से सजी साड़ी पहने वामिका गब्बी का यह ट्रेंडी और ट्रेडिशनल लुक फैंस के दिलों को जीत रहा है. रेड बैकड्रॉप के सामने उनकी ये तस्वीरें किसी फैशन मैगजीन के फोटोशूट से कम नहीं लग रही हैं. फैंस लगातार कमेंट्स कर उनकी तारीफ कर रहे हैं. कोई उन्हें बटरफ्लाई क्वीन कह रहा है तो कोई ग्रेस विद ग्लैमर. वामिका का यह लुक ना केवल फैशनेबल है बल्कि उनकी पर्सनैलिटी और आत्मविश्वास को भी खूबसूरती से दर्शाता है. उन्होंने मिनिमल मेकअप और टाई-अप हेयरस्टाइल के साथ इस लुक को कंप्लीट किया है, जो उन्हें और भी एलिगेंट बना रहा है. वामिका गब्बी पहले भी कई बार अपने फैशन चॉइसेज के चलते चर्चा में रह चुकी हैं. कभी वेस्टर्न आउटफिट्स तो कभी एथनिक लुक्स में, वह हर स्टाइल को बेहद कॉन्फिडेंस और क्लास के साथ कैरी करती हैं. उनका यह नया ब्लैक साड़ी लुक एक बार फिर यह साबित करता है कि वह बॉलीवुड की सबसे एलिगेंट अभिनेत्रियों में से एक हैं. पोस्ट के कमेंट सेक्शन में फैन्स से लेकर सेलेब्स तक सभी वामिका की तारीफों के पुल बांध रहे हैं. किसी ने उन्हें स्टनर बताया तो किसी ने लिखा, सुंदरता के साथ लालित्य. वामिका का यह ग्लैमरस अवतार यह दर्शाता है कि वह न सिर्फ टैलेंटेड एक्ट्रेस हैं, बल्कि एक ट्रेंडसेटर भी हैं.

विवेक अग्निहोत्री की द बंगाल फाइल्स की गूंज अब अमेरिका में... 10 शहरों में होंगे ज़बरदस्त प्रीमियर

भारतीय सिनेमा के सबसे बोल्ड फिल्ममेकर्स में से एक विवेक रंजन अग्निहोत्री अपनी बेबाक शैली और छुपी सच्चाई को सामने लाने वाली कहानी कहने की कला के लिए जाने जाते हैं। द ताशकंद फाइल्स और ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर द कश्मीर फाइल्स के बाद अब वह अपनी 'ट्रुथ ट्राइलॉजी की तीसरी फिल्म द बंगाल फाइल्स लेकर आ रहे हैं। यह बहुप्रतीक्षित फिल्म भारत के इतिहास के एक और छिपे हुए हिस्से को उजागर करने जा रही है। बढ़ते उत्साह के बीच मेकर्स ने अमेरिका में 10 बड़े मेगा प्रीमियर की घोषणा की है, जो 19 जुलाई को न्यू जर्सी से शुरू होकर 10 अगस्त को ह्यूस्टन में खत्म होंगे। इस प्रीमियर टूर में शिकागो, अटलांटा, वाशिंगटन डीसी, रैले, टैम्पा, फीनिक्स, लॉस एंजिल्स और सैन फ्रांसिस्को बे एरिया जैसे महत्वपूर्ण शहरों में स्पेशल स्क्रीनिंग की व्यवस्था की गई है। विदेशों में द बंगाल फाइल्स की डिमांड काफी बढ़ रही है। इसी वजह से डायरेक्टर विवेक रंजन अग्निहोत्री से कई देशों में इसका प्रीमियर करने के लिए कहा जा रहा है। यह साफ है कि यह फिल्म भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी लोगों को पसंद आ रही है और इसे लेकर उत्साह तेजी से बढ़ रहा है। हाल ही में रिलीज हुआ 'द बंगाल फाइल्स का टीजर अपने दमदार और इंटेंस सीन्स की वजह से हर जगह चर्चा का विषय बन गया है। दर्शकों और आलोचकों दोनों ने ही इसे खूब सराहा है। हालांकि महाकाली को आग में दिखाने वाला एक सीन थोड़ा विवादित रहा, लेकिन मेकर्स ने साफ किया है कि यह फिल्म पूरी रिसर्च के आधार पर बनाई गई है। टीजर में एक लाइन अगर कश्मीर तुम्हें तकलीफ देगा, तो बंगाल तुम्हें प्रताड़ित करेगा ने लोगों की उत्सुकता और भी बढ़ा दी है। अब फिल्म को लेकर उत्साह पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गया है। द बंगाल फाइल्स विवेक रंजन अग्निहोत्री द्वारा लिखित और निर्देशित है, और अभिषेक अग्रवाल और पल्लवी जोशी द्वारा निर्मित है। इस फिल्म में मिथुन चक्रवर्ती, पल्लवी जोशी, अनुपम खेर और दर्शन कुमार मुख्य भूमिका में हैं। तेज नारायण अग्रवाल और आई.एम. बुद्ध द्वारा प्रस्तुत यह फिल्म विवेक की 'फाइल्स ट्रिलॉजी का हिस्सा है, जिसमें द कश्मीर फाइल्स और द ताशकंद फाइल्स शामिल हैं। यह फिल्म 5 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

काजोल और पृथ्वीराज स्टारर 'सरजमीं' का टीजर रिलीज, आतंकी बने इब्राहिम अली खान का लुक देख यूजर्स शॉक्ड, रिलीज तारीख से भी उठा पर्दा

इब्राहिम अली खान, काजोल और पृथ्वीराज सुकुमारन की नई फिल्म 'सरजमीं का टीजर सामने आया है। इस टीजर में तीनों कलाकारों की झलक देखने को मिली है। कहानी देश भक्ति और आतंकवाद से जुड़ी मालूम होती है। टीजर में सरप्राइज पैकेज के रूप में इब्राहिम अली खान नजर आए हैं। टीजर में इब्राहिम ने जबरदस्त बॉडी दिखाई है। उनका लुक टीजर रिलीज होते ही वायरल हो गया है। टीजर की शुरुआत सेना के कई जवानों से होती है, जो जंगल में किसी मुठभेड़ के दौरान हाथों में हथियार लिए नजर आते हैं। इसके बाद एक बड़ा सा धमाका होता है। इसके बाद काजोल की झलक दिखती है जो उदास नजर आती हैं। फिर दिखते हैं सेना की वर्दी में पृथ्वीराज सुकुमारन। 1 मिनट 30 सेकंड लंबे इस टीजर में सेना का एक्शन और जवान नजर आते हैं, जो ये दर्शाता है कि फिल्म आतंकवाद पर आधारित है। साथ ही काजोल और पृथ्वीराज के बीच लव एंगल भी देखने को मिलता है। टीजर के अंत में इब्राहिम अली खान नजर आते हैं, जो फिल्म में संभवतः आतंकवादी के किरदार में नजर आ रहे हैं। टीजर के लास्ट सीन में इब्राहिम और पृथ्वीराज का आमना-सामना होता है। कहानी कश्मीर पर आधारित मालूम पड़ती है। इस टीजर में सरप्राइज पैकेज के रूप में इब्राहिम अली खान नजर आए हैं। 'नादानियां जैसी लव स्टोरी से अपना डेब्यू करने वाले इब्राहिम अपनी दूसरी ही फिल्म में खूंखार आतंकवादी के किरदार में नजर आएंगे। जो उनकी पहली फिल्म के किरदार से पूरी तरह से अलग है। हमेशा क्लीन शेव्ड और चॉकलेटी बॉय जैसे दिखने वाले इब्राहिम 'सरजमीं के टीजर में एक बिल्कुल अलग रूप में दिखे हैं। दाढ़ी वाले लुक में इब्राहिम ने टीजर में अपनी बॉडी भी दिखाई है, जिससे पता चलता है कि इब्राहिम ने फिल्म के लिए काफी मेहनत की है। हालांकि, टीजर में इब्राहिम का कोई डायलॉग नजर नहीं आता है। ऐसे में देखना ये होगा कि 'नादानियां में आलोचना झेलने वाले इब्राहिम क्या 'सरजमीं में इस अंदाज से लोगों को प्रभावित कर पाएंगे या नहीं। फिल्म की स्टारकास्ट ही नहीं बल्कि निर्देशक भी काफी खास हैं। करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के तले बन रही 'सरजमीं को कायोज ईरानी ने निर्देशित किया है। कायोज दिग्गज अभिनेता बोमन ईरानी के बेटे हैं। 'सरजमीं 25 जुलाई को जियो हॉटस्टार पर रिलीज हो रही है।

SSB Check Post Generating Heats on "No-Men's land

Sagar Suraj

MOTIHARI : Sashastra Seema Bal (SSB) guarding the Indo-Nepal border have set up a check post on the 'friendship bridge' at Bihar's Raxaul causing concern to the visitors of both the nations. The bridge located on 'Sariswa River'- delineating 'no-men's land' between both countries is straining the historic ties of roti-beti, religious spiritual faith and cross-border trade between India and Nepal. Various bodies formed in and across the border to keep intact the age-old mutual friendship between two nations, have registered their anger over alleged 'high handedness' of SSB personnel during the checking and frisking process on the check post. enior Vice President of Nepal-India Vishwa Maitri Sangha Praveen Mainali, Nepal, visited Raxaul, and expressed deep concern over the checking system implemented on the 'Friendship Bridge (Maitri pool). "The bridge, which was once considered a symbol of friendship between India and Nepal, has become a reason for 'uncomfortable experience' for traders, travelers, pilgrims and border citizens", he said. Mr Mainali says that due to the strict checking system on

the bridge, people are getting stuck in traffic jams for hours, and a feeling of fear and discomfort has taken root in the minds of everyone. who crosses the border. Mainali said that verification and checking is necessary, but its method should not become a blow to friendship. This bridge is not a border but a shared path of centuries old relations, he said. The relationship between India and Nepal is not limited to the diplomatic border between the two countries. This relationship has been cultural, familial and intimate. Marriages take place in thousands of families in both the countries, many Nepali citizens get employment in India and the movement of Nepali

citizens to the border villages of India has been going on for generations. The sudden imposition of strict monitoring and paperwork on this is affecting the lifestyle and family structure of the people, he said. A large population of Nepal, especially people from the border areas, buys daily necessities from the border markets of India and takes them to their country. This is not just shopping, but is also a part of cross-border socio-cultural unity. But now the search of every bag, every packet, and long inspection processes are hampering trade movement, which is also creating economic imbalance. Mr Mainali expressed special concern about the upcoming Shravan month.

Every year lakhs of devotees from Nepal travel to various Shiva temples in India for the Bolbam Yatra. Pilgrimage sites like Deoghar, Baijnath Dham, Banaras, Kashi Vishwanath and Areraj are the centers of faith for these pilgrims. In such a situation, the intensive checking being done on the Maitri Bridge can disrupt these religious pilgrimages and there is a possibility of hurting religious sentiments as well, he said. Mainali made it clear that he would take up this issue seriously with the Indian Embassy in Nepal, the Nepal government and the Indian government. He suggested that the check post be shifted some distance away from the Maitri Bridge so that neither security is compromised nor ease of public relations is affected. Arun Kumar Gupta, President of Raxaul Textile Chamber of Commerce, said that there can be a place for investigation, but there should not be a wall between relationships. This bridge connects hearts; it should not be turned into a wall of documents. Traders, transporters, social workers and local citizens of Raxaul and Birgunj (Nepal) are also dissatisfied with this arrangement. People say that this bridge of India-Nepal is not just a geographical structure but a medium of intimate communication between the two countries. If there is no ease in this today, then a line of distrust can be drawn between the people. The relations between India and Nepal have never been bound by visas and passports. These relations have been going on through the hearts – they are not made by blood, but by emotions. The need for a verification system cannot be denied, but if the way of implementing it ignores public sentiments and social structure, then the Maitri Bridge will no longer be a symbol of friendship but will become an administrative wall. BNM tried to take versions of SSB officials on the allegations, but no one appeared to comment on "Are there any necessities to streamline the verification system on this "questioned check post'.

Bihar DGP Vinay Kumar claims, 'The truth behind Gopal Khemka's murder will soon come out'

Patna, Bihar Police has started immediate action in the businessman Gopal Khemka murder case that took place late Friday night in Bihar's capital Patna. Bihar Director General of Police (DGP) Vinay Kumar claimed in an exclusive conversation with news agency IANS on Sunday that the whole picture of this murder will be clear in the next one or two days. DGP Vinay Kumar said that several police teams continued to raid different locations in Patna and Vaishali districts throughout the night. During this, more than a dozen suspects have been detained, who are currently being questioned. The attacker who shot Gopal

Khemka has been tracked in CCTV cameras installed in other parts of the city besides the crime scene. The attacker's motorcycle has been identified, but his face could not be clearly identified due to him wearing a helmet. Vinay Kumar assured that the entire story of this murder will be revealed in a day or two. On Saturday, he said, "This is a very sad incident. A full STF team has been engaged to investigate the case and we hope that the case will be solved soon." Earlier in 2018, his son was also murdered in Hajipur Industrial Police Station area and that case was also successfully solved. Within a year, a charge sheet was filed against four accused. In the current case too, efforts are being made to know the possible motive behind the murder.

Let us tell you that criminals murdered well-known industrialist Gopal Khemka late on Friday night. The incident took place near Ramgulam Chowk in Gandhi Maidan police station area. The police has formed a special investigation team (SIT) to arrest the accused in this case. Businessmen are angry with this incident.

The deceased's brother Shankar Khemka flatly denied that his brother Gopal Khemka had any enmity with anyone. He said, we do not think he had any enmity with anyone. He used to go to his office every day at 10 am and was regularly busy with his work.

Shocking crime pattern: One murder, one kidnapping, a challenge for the police

Korba Two separate cases of kidnapping, robbery and murder have been reported in Korba district. On the evening of 4 July, Ashwani Pathak (40) went out with his friend. Later, Ashwani's body was found near Bhusdipara sub-station with stab wounds, while his friend is still missing. The case is from Bankimongra police station area. The second case is from Bango police station area. Four people had booked a taxi driver Ankush Yadav (29 years old) from Champa to Korba. Near Barpali, one of the accused stopped the taxi on the pretext of vomiting. During this time, a young man put a knife on the driver's neck and a gun on his stomach and snatched his mobile. Then he was made to sit on the back seat and left in the forest 9 kilometers away. From there, the accused fled with the car. The deceased Ashwani Pathak, who was murdered in an old rivalry case, was a resident of Ayodhyapuri-Jailgaon in Darri police station area.

Locals informed the police after seeing the body. Family members said that Ashwani had left home with his friend Manoj Bakkal in the afternoon. He did not return home till evening. Later they received information on phone that his body was found near the sub-station of Bankimongra. Manoj Bakkal is also missing since the incident. The family is considering the old dispute as the reason for the murder. The police called the dog squad and forensic team on the spot. The footage of CCTV cameras installed nearby is being examined. The police is questioning the family and friends of the deceased. The investigation is going on by registering a case in the matter. According to the information, four people in Champa had booked a taxi for Rs 1500 to take them to Korba. The same people looted the driver, kidnapped him and left him in the jungle and fled with the car. The victim somehow managed to get a lift and reached Bango police station and informed the police about the incident. According to the victim, the accused covered their faces after reaching Bango. Their dialect was of Madhya Pradesh and they were talking very little among themselves. After the incident, the accused crossed the toll naka and fled towards Madhya Pradesh via Ambikapur. The police have registered a case and started investigation. The act of the accused has been captured in the CCTV footage of the toll booth. The police is trying to identify the accused on the basis of these footage.

'Prime Minister Chai Wala' restaurant opened in Muzaffarnagar, the name and cleanliness system here came into discussion

Muzaffarnagar, These days there is a lot of discussion about the naming of hotels and dhabas in Muzaffarnagar district of Uttar Pradesh. While on one hand names like 'Pandit Ji Vaishno Dhaba' are in the headlines, on the other hand a unique restaurant in village Badhendi located on Delhi-Dehradun National Highway-58 is the topic of discussion, whose name is 'Pradhan Mantri Chai Wala'. The owner of this restaurant is Abhishek Pawar, who is originally from Jaipur, Rajasthan. The owner of the restaurant has named his restaurant 'Pradhan Mantri Chai Wala' inspired by Prime Minister Narendra Modi. 'Pradhan Mantri Chai Wala' looks similar to other

restaurants and dhabas, but due to its unique name and cleanliness system, it is being discussed a lot.

Abhishek Panwar is running this restaurant by following all the government rules and food safety standards. CCTV cameras have been installed in the restaurant, even the kitchen has cameras and special attention has been paid to hygiene. Along with this, a selfie point has been made in the name of 'I Love Muzaffarnagar', which is attracting the youth a lot. The owner of the restaurant said that he has been associated with the Rashtriya Swayamsevak Sangh (RSS) since childhood and is influenced by the ideology of Prime Minister Narendra Modi. It was this inspiration that inspired him to name his restaurant 'Pradhanmantri Chai Wala'. He said, the children suggested this name. After that, he has been running the restaurant with this name for the last one year.

Abhishek Panwar used to run a clothing showroom in Chandigarh, but after facing losses in business, he turned to the restaurant business. He first started a restaurant named 'Pradhanmantri Chai Wala' in Ayodhya, but it was closed due to land acquisition for the construction of Ram temple. Despite this, he did not give up and now about two months ago he has started a restaurant again with the same name in Muzaffarnagar. Abhishek Pawar's family has been associated with the food chain business for the last 30 years. His grandfather was also in the same profession and carrying forward this tradition, Abhishek has started a new venture in his family business. Today, he is not only satisfied with his 'Pradhan Mantri Chai Wala' restaurant, but is also proudly taking it forward as a mission.

Miserable condition: Administration's concern increases as water level rises

Korba: Due to continuous rain in Korba district, the road connecting many villages to Badmar area has been cut in parts, due to which many villages have lost contact. Movement on the road has stopped. It was built under the Pradhan Mantri Gram Sadak Yojana. The water level of Hasdeo Bango Dam has risen. The stopdam located at Bansajhara of Geraon in Kartala has broken, due to which a 20-year-old culvert was washed away. At the same time, the body of a railway employee who was swept away in a drain in Singhia Korbi village was found after 40 hours. On

July 3, Uday Kumar Singh was swept away in the strong current of the drain while working. The police rescued him and found his body. The case is from Katghora police station area. Here, rainwater is dripping from the roof of SECL, DAV Public School located in Adarsh Nagar Kusmunda Colony. Buckets have been placed at various places in the classroom. Parents have raised questions about the safety of children.

Rahul Gandhi got angry on Gopal Khemka murder case, said- Bihar has been made a crime capital;

(New Delhi) PM Modi wishes Dalai Lama on his birthday, calls him a symbol of love and compassion New Delhi, July 06 (RNS). Prime Minister Narendra Modi on Sunday congratulated the Dalai Lama on his 90th birthday and prayed for his good health and long life. In a post on his social media platform Instagram, PM Modi wrote, "I join 1.4 billion Indians in sending my warm wishes to His Holiness the Dalai Lama on his 90th birthday. He has been an enduring symbol of love, compassion, patience and moral discipline. His message has been an inspiration

of respect and admiration across all religions. We pray for his good health and long life." Prime Minister Modi is currently in Rio de Janeiro, Brazil, where he is on a state visit and to attend the 17th BRICS Summit. These wishes have come at a time when there is a dispute over the successor of the Dalai Lama. China has asked India to be 'cautious' in this matter. Chinese Foreign Ministry spokesperson Mao Ning said that India should be careful in its words and actions and should not interfere in China's internal affairs, especially in matters related to Tibet. Beijing considers the Dalai Lama, who lives in Dharamsala in Himachal Pradesh, a separatist. China does not like the Dalai Lama meeting international leaders or attending any government function. In 2021, Prime Minister Modi made a major change by publicly wishing the Dalai Lama on his 86th birthday. Earlier governments generally kept a distance from the Dalai Lama so as not to anger China. But in 2021, Prime Minister Modi clearly broke away from this old attitude by openly wishing him, which was a significant change in India's strategy. The 14th Dalai Lama was hailed by the US Secretary of State as a "voice for the voiceless". Before his 90th birthday, the Nobel Peace Prize winner had said, "The tradition of the Dalai Lama will continue in the future. After my death, the successor will be chosen according to Tibetan Buddhist traditions."

The process of buying and selling land in Chhattisgarh will now be digital and transparent, common citizens will be more aware

Raipur, A big news has come from Raipur, where the Chhattisgarh government has implemented a new technical system to make the land-related transaction process completely digital and transparent. Under this, now the common people will not have to visit government offices for land-related information nor will they have to take the help of any middleman. This facility has been made available through the registration department's website and 'Sugam' mobile app. The new system is extremely simple: citizens visit the website or app, fill in the details of their district, tehsil and village, enter the khasra number of the land in question and select its location via Google Maps. After this, the guideline rate, stamp duty, registration fee and other details appear on the

screen within a few seconds. Inspector General Registration Department, Pushpendra Kumar Meena said that this time digital technologies have been used to fix the guideline rates, so that these rates will be closer to the market price. The department has prepared a proposal to increase the guideline rates by 1.5 to 2 times, which will soon be submitted to the government and will be implemented in the entire state after the approval of the cabinet. This new system will bring many benefits—land information will now be completely transparent, chances of fraud will be reduced, and the old rates applicable since 2017 will be replaced by new, more appropriate rates. Most importantly, common citizens will now be able to view their land information themselves, making them more aware and empowered. This digital step of the government will not only make the process of buying and selling land faster and safer, but will also prove to be an important initiative towards good governance and citizen empowerment in Chhattisgarh.